



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22]

मई दिवसी, शनिवार, मई 31, 1975 (ज्येष्ठा 10, 1897)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1975 (JYAIESTHA 10, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस

NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 25 अप्रैल 1975 तक प्रकाशित किए गए हैं—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 25th April 1975 :—

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. & Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं. 20 प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन० - 48/75, दिनांक 23 अप्रैल, 1975	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं. 0 प्रतिश्रद्धायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
72.	No. Drawback/PN-48/75, dated the 23rd April, 1975.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th October, 1971. आयात लाइसेंसों का पुनर्वैधीकरण।
	सं. 26 आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, वाणिज्य मंत्रालय दिनांक 23 अप्रैल, 1975।		
73.	No. 26-ITC(PN)/75, dated the 23rd April 1975.	Ministry of Commerce	Revalidation of import licences.
	सं. 27-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, तदेव दिनांक 23 अप्रैल, 1975।		रिहाई आदेशों का उपयोग।
74.	No. 27-ITC(PN)/75, dated the 23rd April, 1975.	Do.	Utilisation of release orders.
	सं. 28-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, तदेव दिनांक 25 अप्रैल, 1975		अप्रैल 1975—मार्च 1976 अवधि के लिए लाइसेंस जारी करने के लिये आयात नीति— लाइसेंस अवधि अप्रैल 1974—मार्च 1975 अथवा अप्रैल 1973—मार्च 1974 के लिए प्राप्त किए गए आयात लाइसेंस/रिहाई आदेशों के ब्यौरों को दर्शाते हुए सनदी लेखापाल के प्रमाणपत्र को प्रस्तुत करना।

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम माग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र नियंत्रक के पास दून राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

(419)

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
75. No. 28-ITC(PN)/75, dated the 23th April, 1975		Ministry of Commerce	Import Policy for the licensing period April, 1975—March, 1976. Production of Chartered Accountant Certificate showing the particulars of import licences release orders obtained for the licensing period April 1974—March 1975 or April 1973—March, 1974.
	सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन० 49/75 दिनांक 30 अप्रैल 1975	वित्त मन्त्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिश्रदायगी/पी० एन० -1 दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में उपक्रमांक 2002 तथा तत्संबन्धी प्रविष्टियों के लिए प्रतिस्थापन।
76. No. DRAWBACK/PN-49/75, dt. the 30th April, 1975.		Ministry of Finance	Substitution for Sub-serial No. 2002 and the entries relating thereto in the Table published in the Public Notice No. DRAWBACK/PN-1 dated the 15th October, 1971.
	सं० 29-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 30 अप्रैल, 1975	वाणिज्य मंत्रालय	अप्रैल, 1975—मार्च, 1976 वर्ष के लिए आयात नीति।
77. No. 29-ITC(PN)/75, dated the 30th April, 1975.		Ministry of Commerce	Import Policy for the year April, 1975—March, 1976.
	सं० 19-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	तदैव	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान बेनिलक्स को भारतीय सूती कपड़े के निर्यात के लिए लाइसेंस देने से संबंधित योजना।
78. No. 19-ETC(PN)/75 dated the 1st May, 1975		Do.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to Benelux during the licensing year ending 31st December, 1975.
	सं० 20-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	तदैव	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान यू० के० को भारतीय सूती कपड़े के निर्यात के लिए लाइसेंस देने से संबंधित योजना।
79. No. 20-ETC(PN)/75 dated the 1st May 1975		Do.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to the United Kingdom during the licensing textiles year ending 31st December, 1975.
	सं० 21-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	तदैव	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान डेनमार्क को भारतीय सूती कपड़े निर्यात के लिए लाइसेंस देने से संबंधित योजना।
80. No. 21-ETC(PN)/75 dated the 1st May, 1975.		Do.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to Denmark during the licensing year ending 31st December, 1975.
	सं० 22-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	तदैव	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान पश्चिमी जर्मनी को भारतीय सूती कपड़े के निर्यात के लिए लाइसेंस देने से सम्बन्धित योजना।
81. No. 22-ETC(PN)/75 dated the 1st May, 1975		Do.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to West Germany during the licensing year ending 31st December, 1975.
	सं० 23-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	तदैव	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान इटली को भारतीय सूती कपड़े के निर्यात के लिए लाइसेंस देने से संबंधित योजना।
82. No. 23-ETC(PN)/75 dated the 1st May, 1975		Do.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to Italy during the licensing year ending 31st December, 1975.

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० 24-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	वाणिज्य मंत्रालय	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान आयरलैण्ड गणतन्त्र को भारतीय सूती कपड़े के नियति के लिए लाइसेंस देने से संबंधित योजना।
83.	No. 24-ETC(PN)/75 dated the 1st May, 1975	Ministry of Commerce	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to Irish Republic during the licensing year ending 31st December, 1975
	सं० 25-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 1 मई, 1975	तदेव	31 दिसम्बर, 1975 को समाप्त होने वाले लाइसेंस वर्ष के दौरान फ्रांस को सूती कपड़े के नियति के लिए लाइसेंस देने से संबंधित योजना।
84.	No. 25-ETC(PN)/75 dated the 1st May, 1975	Do.	Scheme for the licensing of Indian Cotton Textiles for export to France during the licensing year ending 31st December, 1975.
	30-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 3 मई, 1975	तदेव	अप्रैल, 1975—मार्च 1976 अवधि के लिए पंजीकृत नियतिकों के लिए आयात नीति (शुद्धि पत्र सं० 2)।
85.	30-ITC(PN)/75 dated the 3rd May, 1975	Do.	Import policy for Registered Exporters for the period, April, 1975—March, 1976 (Errata No. 2).

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित ग्रधिसूचनाएं

भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित ग्रधिसूचनाएं

भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित ग्रधिसूचनाएं

भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई प्रफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित ग्रधिसूचनाएं

भाग II—खंड 1—ग्रधिनियम, ग्रध्यादेश और विनियम

भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट

भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राविधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के ग्रन्तर्गत बनाए और

पृष्ठ

419

जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

पृष्ठ

*

809

भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राविधिकारों द्वारा विधि के ग्रन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और ग्रधिसूचनाएं

*

27

भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रधिसूचित विधिक नियम और आदेश

*

707

भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च व्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई ग्रधिसूचनाएं

4261

*

*

भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई ग्रधिसूचनाएं और नोटिस

343

भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राविधिकार से जारी की गई ग्रधिसूचनाएं

7

भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक ग्रधिसूचनाएं जिनमें ग्रधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

1219

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस

89

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) *	PAGE
	419		*
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	809	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence *	*
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	27	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	4261
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence.	707	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	343
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations *	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	7
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills *	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1219
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	89

भाग I—खंड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को डोडकर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Supreme Court

राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक और अग्नि शमन सेवा पदक सम्बन्धी संविधियाँ और नियम

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1975

सं. 40-प्रेज/75—राष्ट्रपति, विशिष्ट/सराहनीय सेवा या वीरता और असाधारण कर्तव्यनिष्ठा के लिए केन्द्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, नगर-पालिका तथा अन्य स्वायत्त निकायों और सरकारी उद्यमों द्वारा संगठित व प्रशासित अग्नि शमन सेवा के सदस्यों को प्रदान करने के लिए निम्नलिखित पदक आरम्भ करते हैं, जिनको “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL” और “अग्नि शमन सेवा पदक FIRE SERVICES MEDAL” नाम दिया जाएगा और इसके निमित्त निम्नलिखित संविधि बनाते हैं, लागू करते हैं और स्थापित करते हैं जो कि दिनांक 19 मई, 1975 से लागू समझे जाएंगे।

राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक

PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL

प्रथम पुस्कार पदक के रूप में होगा जिसका नाम “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL” होगा (जिसे इसके बाद पदक कहा जाएगा)।

द्वितीय—पदक गोलाकार होगा, वह चांदी का बना हुआ होगा और उस पर सोने का पानी चढ़ा हुआ होगा तथा वह 35 मि० मी० व्यास का होगा और उस पर एक छोटा छल्ला लगा होगा उसके बीच में सामने की तरफ सत्यमेव जयते व राज्य चित्र तथा “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL” शब्द पदक के किनारे-किनारे दोनों ओर उभरे हुए अक्षरों में लिखे होंगे और उनके दोनों तरफ पांच कोनों वाले तारों के एक-एक चित्र रहेंगे। इस पदक के दूसरी तरफ भी चांदी में अशोक चक्र होगा और नीचे दोनों किनारों पर “वीरता के लिए FOR GALLANTRY” या “विशिष्ट सेवा के लिए FOR DISTINGUISHED SERVICE” उभरे अक्षरों में लिखा होगा और ऊपर दोनों किनारों पर एक माला ठीक ऊपरी सिरे पर एक सामान्य कड़ी से जुड़ी होगी। उसके रिम पर पदक प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम खुदा होगा। पदक का एक सील बंद नमूना संरक्षित रखा जाएगा।

तृतीय—पदक 32 मि० मी० चौड़े रेशमी रिबन से सीने के बांध और लटकाया जाएगा और विशिष्ट सेवा के पदक का रिबन आधा कथई और आधा सुनहरी पीला होगा। अपूर्व साहस और वीरता के पदक का रिबन आधा कथई और आधा सुनहरी पीला

होगा और इन दोनों रंगों के बीच में 3 मि० मी० चौड़ी गहरी नीली (नेबी ब्लू) खड़ी धारी होगी।

चतुर्थ—पदक केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने केन्द्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, नगरपालिका या अन्य स्वायत्त निकायों अथवा सरकारी उद्यमों द्वारा संगठित और प्रशासित अग्नि शमन सेवाओं के सदस्यों के रूप में अपूर्व साहस और असाधारण कार्य-कुशलता के काम किए हों या उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया हो।

पंचम—जिन व्यक्तियों को यह पदक प्रदान किया जाएगा उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और ऐसे नामों का रजिस्टर गृह मंत्रालय में राष्ट्रपति द्वारा निर्दिष्ट व्यक्ति रखेगा।

षष्ठम—वीरता का कोई भी कार्य जिसके लिए “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL” प्रदान करता उचित समझा जाए। यदि ऐसे व्यक्ति द्वारा किया हो जिसे पहले ही यह पदक प्रदान किया जा चुका है तो ऐसी स्थिति में रिबन में जिसके साथ पदक लटकाया जाना है एक शलाका (बार) लगा दी जाए। इस प्रकार के प्रत्येक अतिरिक्त कार्य के लिए एक अलग शलाका (बार) लगा दी जाए और प्रत्येक शलाका (बार) के लिए सोने का पानी चढ़ा चांदी का बना एक छोटा सा गुलाब रिबन पर लगा दिया जाएगा जब सिर्फ उसे ही लगाना हो।

सप्तम—राष्ट्रपति को यह पदक नामंजूर करने और रद्द करने का अधिकार होगा और इस के बाद उस व्यक्ति का नाम रजिस्टर से काट दिया जाएगा। लेकिन राष्ट्रपति को, जब तक कि गए ऐसे पदक को फिर से बहाल करने का अधिकार भी होगा। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जिसे यह पदक प्रदान किया जाएगा, पदक प्राप्त करने से पहले यह करार करना होगा कि रजिस्टर से नाम कटने पर वह इस पदक को वापस कर देगा। पदक रद्द करने और बहाल करने की हर सूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी।

अष्टम—इन संविधियों के प्रयोजनों को पूरा करने के लिए राष्ट्रपति को नियम बनाने का अधिकार होगा।

अग्नि शमन सेवा पदक

FIRE SERVICES MEDAL

प्रथम—पुरस्कार पदक के रूप में होगा जिसका नाम “अग्नि शमन सेवा पदक FIRE SERVICES MEDAL” होगा (जिसे इसके बाद पदक कहा जाएगा)।

द्वितीय—पदक गोलाकार होगा जो कांस्य का बना होगा और 35 मि० मी० व्यास का होगा तथा उसमें एक छोटा छल्ला लगा होगा। उसके बीच सामने की तरफ सत्यमेव जयते व राज्य चिह्न होगा और इस राज्य चिह्न के दोनों ओर पदक के किनारे-किनारे “अग्नि शमन सेवा पदक FIRE SERVICES MEDAL” उभरे हुए अक्षरों में लिखा होगा और उनके दोनों तरफ पांच कोणों वाले तारों के एक-एक चिह्न रहेंगे। इसके दूसरी तरफ बीचों बीच “सराहनीय सेवा के लिए FOR MERITORIOUS SERVICE” या “बीरता के लिए FOR GALLANTRY” उभरे हुए अक्षरों में लिखा होगा और यह समानान्तर लाहनों के बीच में होगा जो दोनों ओर अर्धवृत्ताकार लाहनों से जुड़ी होंगी। इसके चारों ओर एक माला होगी जो नीचे की ओर एक सामान्य कड़ी से जुड़ी होगी। रिम पर पदक प्राप्त करने वाले व्यक्ति का नाम खुदा होगा। पदक का एक सील-बन्द नमूना संरक्षित रखा जाएगा।

तृतीय—पदक 32 मि० मी० चौड़े रेशमी रिबन से सीने के बांध और लटकाया जाएगा। यह कथई रंग का होगा जिस के दोनों ओर पतली सुनहरी धारी होगी और बीच में गहरी नीली (नेवी ब्लू) धारी होगी, और बीरता के कार्यों के लिए दिये जाने वाले पदकों में रिबन के कथई रंग वाले प्रत्येक भाग में बीच में ऊपर से नीचे तक गहरी नीली (नेवी ब्लू) धारी होगी।

चतुर्थ—पदक, केन्द्रीय मंत्रालयों या विभागों, राज्य सरकारों, संघ शासित क्षेत्र प्रशासनों, नगरपालिका तथा अन्य स्वायत्त निकायों और सरकारी उद्यमों द्वारा संगठित और प्रशासित अग्नि शमन सेवा के केवल उन्हीं सदस्यों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने विशेष सराहनीय और बीरता का कार्य किया हो।

पंचम—जिन व्यक्तियों को यह पदक प्रदान किया जाएगा उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाएंगे और ऐसे नामों का रजिस्टर गृह मंत्रालय में राष्ट्रपति द्वारा निर्दिष्ट व्यक्ति रखेगा।

षष्ठम—बीरता का कोई भी कार्य जिसके लिए “अग्नि शमन सेवा पदक FIRE SERVICES MEDAL” प्रदान करना उचित समझा जाए यदि ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया हो जिसे पहले ही यह पदक प्रदान किया जा चुका है तो ऐसी स्थिति में रिबन में जिसके साथ पदक लटकाया जाना है, एक शलाका (बार) लगा दी जाए। इस प्रकार के प्रत्येक अतिरिक्त कार्य के लिए एक अलग शलाका (बार) लगा दी जाए और प्रत्येक शलाका (बार) के लिए चांदी का बना एक छोटा सा गुलाब रिबन पर लगा दिया जाए जब सिर्फ उसे ही लगाना हो।

सप्तम—राष्ट्रपति को यह पदक नामंजूर करने और रद्द करने का अधिकार होगा और इसके बाद उस व्यक्ति का नाम रजिस्टर से काट दिया जाएगा। लेकिन राष्ट्रपति को, जब विये गये ऐसे पदक को फिर से बहाल करने का अधिकार भी होगा। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जिसे यह पदक प्रदान किया जाएगा पदक प्राप्त करने से पहले यह करार करना होगा कि रजिस्टर से नाम कटने पर वह उस पदक को

वापस कर देगा। पदक रद्द करने और बहाल करने की हर सूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जायेगी।

अष्टम—इन संविधियों के प्रयोजनों को पूरा करने के लिए राष्ट्रपति को नियम बनाने का अधिकार होगा।

सं० 41-प्रैज/75—राष्ट्रपति के “अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL” और “अग्नि शमन सेवा पदक FIRE SERVICES MEDAL” प्रदान किए जाने संबंधी संविधियों की “आठवीं” संविधि के अनुसार उनके विनियमन के लिए निम्नलिखित नियम अधिसूचित किए जाते हैं:—

राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक

PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL

(1) किसी अवसर पर विशिष्ट बीरता के कार्य के बाद यथाशीघ्र उक्त विशिष्ट बीरता के कार्य के लिए पदक प्रदान किए जाने की सिफारिश की जाएगी।

(2) सभी सिफारिशों में संबंधित व्यक्ति का नाम तथा रेक, उस अग्नि शमन सेवा का नाम, जिसका वह सदस्य है या और उस बीरता के कार्य या सेवा का व्यौरा दिया जाएगा जिस के लिए पदक देने की सिफारिश की गई है।

(3) पदक निम्नलिखित कार्यों के लिए दिए जाएंगे:—

(i) जीवन तथा सम्पत्ति की रक्षा करने में बीरता के कार्य के लिए, इस सेवा के सदस्यों की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का पूरा ध्यान रखते हुए यह बात जांची जाएगी कि संबंधित व्यक्ति ने कितना जोखिम उठाया है।

(ii) सेवा के विशिष्ट रिकार्ड के लिए, जैसे कठिन परिस्थितियों में अग्नि शमन सेवाओं को संगठित करना या बनाए रखना और गंभीर या बहुत बड़े क्षेत्र में फैले हुए अग्नि कांड पर काबू पाना।

(4) किसी भी वर्ष, विशिष्ट सेवा के लिए विए जाने वाले पदकों की संख्या 25 से अधिक नहीं होगी। सेकिन, किसी भी वर्ष, बीरता के लिए दिए जाने वाले पदकों की संख्या की कोई सीमा नहीं होगी।

(5) यदि पदक बीरता के लिए प्रदान किया गया हो, तो इस पदक के साथ नीचे दी गई दरों और शर्तों के अनुसार भत्ता दिया जाएगा। इस परें होने वाला व्यय केन्द्रीय मंत्रालयों/राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के पदक प्राप्त कर्ताओं के मामले संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों/राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा और संगठनों की अग्नि शमन सेवाओं के पदक प्राप्त कर्ताओं के मामले में संबंधित संगठनों द्वारा वहन किया जाएगा।

(क) बीरता के लिए इस पदक के सभी प्राप्त-कर्ता रेकों का विचार किए बिना समान दर पर भत्ता पाने के पात्र होंगे। उक्त पदक के भस्ते की दर साठ रुपये प्रति मास

होगी और पदक की शलाका (बार) के भत्ते की दर तीस रुपए प्रतिमास होगी।

(ख) यदि किसी अधिकारी को जिसे पहले ही या तो किस पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक/राष्ट्रपति का पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक/राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक, या बीरता के लिए वह पदक और उसके साथ शलाका (बार) या शलाकाएं (बारस) प्रदान की गई हो, बीरता के किसी, अन्य कार्य के लिए बाद में राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान किया जाए तो उसे इस पदक का पूरा भत्ता नहीं बल्कि पहले से मिल रहे भत्ते के साथ-साथ, बाद के पदक के साथ की शलाका (बार) का भत्ता दिया जाएगा। यदि किसी अधिकारी को, जिसे बीरता के लिए भारतीय पुलिस पदक पहले ही प्रदान किया गया हो, बीरता के किसी अन्य कार्य के लिए बाद में राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान किया जाए तो उसे पहले से मिल रहे भत्ते के साथ-साथ बाद के पदक का पूरा भत्ता भी दिया जाएगा।

(ग) यह भत्ता उस कार्य की तारीख से मंजूर किया जाएगा जिसके लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है और जब तक कि यह दुराचरण के कारण जब्त न कर दिया जाए, यह मृत्युपर्यन्त मिलता रहेगा।

(ख) यदि किसी पदक पाने वाले की मृत्यु तक उसे भत्ता मिल रहा हो तो उस की मृत्यु के बाद यह भत्ता उसकी विधवा को जीवन-पर्यन्त या उसके पुनर्विवाह के समय तक मिलता रहेगा (इसमें पहली विवाहित पत्नि को तरजीह दी जाएगी)। मरणोपरांत मिलने वाले पदक या शलाका (बार) की स्थिति में यह भत्ता मृतक की विद्वावा को उसके जीवनपर्यन्त या उसके पुनर्विवाह के समय तक दिया जाएगा (इसमें पहली विवाहित पत्नि को तरजीह दी जाएगी) और यह भत्ता उस कार्य की तारीख से देय होगा जिस के लिए पुरस्कार किया गया है।

(6) पदकधारी यदि बाद में निष्ठाहीनता का दोषी, कार्यभीर या ऐसे आचरण वाला सिद्ध हो जाए जिसकी वजह से राष्ट्रपति के विचार से उसके सेवा-संगठन की बदनामी होती है तो पदक जब्त किया जा सकता है।

(7) 26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस) और 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर विशिष्ट सेवा के लिए पुरस्कारों की घोषणा किए जाने के लिए सिफारिशें, सचिव,

भारत सरकार, गृह मंत्रालय के पास हर वर्ष कमशः 26 अक्टूबर और 15 मई तक अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

अग्नि शमन सेवा पदक

FIRE SERVICES MEDAL

(1) किसी अवसर पर बीरता के कार्य के बाद यथाशीघ्र बीरता के लिए पुरस्कार दिए जाने की सिफारिश की जाएगी।

(2) सिफारिश में संबंधित व्यक्ति का नाम तथा रेक, उस अग्नि शमन सेवा का नाम, जिसका वह मदस्य है या था और उस कार्य या सेवा का व्यौरा दिया जाएगा जिसके लिए पदक देने की सिफारिश की गई है।

(3) पदक निम्नलिखित कार्यों के लिए दिए जाएंगे:-

(i) बीरता के लिए।

(ii) लम्बी अवधि की दक्षतापूर्ण और सराहनीय सेवा और कुशल और निष्ठापूर्ण सेवा के लिए।

(4) किसी भी वर्ष सराहनीय सेवा के लिए दिए जाने वाले पदकों की मंड्या (शलाकाओं को छोड़कर) 100 से अधिक नहीं होगी। किसी भी वर्ष बीरता के लिए दिए जाने वाले पदकों की मंड्या की कोई शीमा नहीं होगी।

(5) (क) यदि पदक बीरता के लिए प्रदान किया गया हो तो, बीरता के लिए प्रदान किए जाने वाले राष्ट्रपति के अग्नि शमन सेवा पदक के लिए निर्धारित शर्तों के अनुसार, भस्ता, पदक के प्राप्त कर्ता के नेक का विचार किए बिना पदक के लिए चालीस रुपए प्रतिमास और शलाका (बार) के लिए बीस रुपए प्रतिमास की समान दर से दिय जाएगा। इस पर होने वाला व्यय केन्द्रीय मंत्रालयों/राज्यों/ संघ शासित क्षेत्रों के पदक प्राप्त कर्ताओं के मामले में संबंधित के तीय मंत्रालयों/राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा और संगठनों की अग्नि शमन सेवाओं के पदक प्राप्त कर्ताओं के मामले में संबंधित संगठनों द्वारा वहन किया जाएगा।

(ख) यदि किसी अधिकारी को, जिसे पहले नहीं, या नो भारतीय पुलिस पदक/अग्नि शमन सेवा पदक, या बीरता के लिए वह पदक और उसके साथ की शलाका (बार) या शलाकाएं (बारस) प्रदान की गई हो, बीरता के किसी अन्य कार्य के लिए बाद में अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान किया जाए तो उसे इस पदक का पूरा भत्ता नहीं बल्कि पहले से मिल रहे भत्ते के साथ-साथ बाद के पदक के साथ की शलाका (बार) का भत्ता दिया जाएगा। यदि किसी अधिकारी को, जिसे बीरता के लिए किस

पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक/राष्ट्रपति का पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक/राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक पहले ही प्रदान किया गया हो, बीरता के किसी अग्नि कार्य के लिए अग्नि शमन सेवा पदक प्रदान किया जाए हो उसे पहले से मिल रहे भत्ते के साथ-साथ बाद के पदक क, पूरा भत्ता भी दिया जाएगा।

(6) इस पदक का पहले प्रदान किया हुआ होना, बाद में “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICE MEDAL” प्रदान किए जाने में बाधक नहीं होगा।

(7) पदकधारी यदि बाद में निष्ठाहीनता का दोषी, कार्यभीर या ऐसे आचरण बाला सिद्ध हो जाए जिससे राष्ट्रपति के विचार से उसके सेवा-संगठन की बदनामी होती है तो पदक जब्त किया जा सकता है।

(8) 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) और 15 अगस्त (स्वदंता दिवस) के अवसर पर सराहनीय सेवा के पुरुकार दिए जाने के लिए सिपाहियों, सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय के पास हर वर्ष क्रमशः 26 अक्टूबर, और 15 मई तक पूर्ण जानी चाहिए।

सं० 42-प्र०/75—राष्ट्रपति समय-समय पर यथा संजोधित दिनांक 1 मार्च 1951 की अधिसूचना सं० 3-प्र०/51 के अधीन भारतीय राजपत्र के दिनांक 10 मार्च, 1951 के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित राष्ट्रपति का पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक तथा पुलिस पदक प्रदान करने सम्बन्धी प्रस्तावना और संविधियों में निम्न लिखित संशोधन करने के लिए आदेश देते हैं—

(1) प्रस्तावना और संविधियों में कसी भी अनेक वाला “राष्ट्रपति का पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक” का नाम “राष्ट्रपति का पुलिस पदक” पढ़ा जाएगा।

राष्ट्रपति का पुलिस पदक

(2) तीसरी मंविधि में आने वाले शब्द “अग्नि संगठित अग्नि शमन सेवाएँ” हटा दिए जाएँ।

पुलिस पदक

(3) तीसरी मंविधि में आने वाले शब्द “या संगठित अग्नि शमन सेवा का” हटा दिये जाएँ।

सं० 43-प्र०/75—राष्ट्रपति, समय-समय पर यथा संजोधित दिनांक 1 मार्च, 1951 की अधिसूचना सं० 4-प्र०/51 के अधीन भारतीय राजपत्र के दिनांक 10 मार्च, 1951 के भाग I खंड 1 में प्रकाशित, राष्ट्रपति का पुलिस और अग्नि

शमन सेवा पदक तथा पुलिस पदक प्रदान करने संबंधी नियमों में निम्नलिखित संशोधन करने के लिए आदेश देते हैं—

1 प्रस्तावना और नियमों में कहीं भी आने वाला “राष्ट्रपति का पुलिस और अग्नि शमन सेवा पदक” का नाम “राष्ट्रपति का पुलिस पदक” पढ़ा जाए।

राष्ट्रपति का पुलिस पदक

(2) नियम (2) में और नियम (4) के उपनियम (iii) में आने वाले शब्द ‘या अग्नि शमन सेवा’ हटा दिए जाएँ।

(3) नियम 5 के उपनियम (ii) के नीचे ही हुई अनुसूची में आने वाले “जिला अग्नि शमन अधिकारी” और “फायर स्टेशन आफिसर I, फायर स्टेशन आफिसर II, हैड लीडिंग फायरमैन, लीडिंग फायर मैन और सलेक्शन हेड फायरमैन” शब्द हटा दिए जाएँ।

पुलिस पदक

(4) नियम (2) में आने वाले शब्द “या अग्नि शमन सेवा” हटा दिए जाएँ।

दिनांक 22 मई 1975

सं० 44-प्र०/75-शुद्धि पढ़—भारतीय राजपत्र दिनांक 16 जून, 1973 के भाग I, खंड 1 पे प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 38-प्र०/73, दिनांक 26 जनवरी, 1973, में शुद्धि करने हेतु :—

अम मर्च्या 5 मे

बास्ते—“जोगेश चन्द्र दास”

पढ़े—“जीगेश्वर दास”

सं० 45-प्र०/75—राष्ट्रपति प्रादेशिक सेना के निम्नकित आयुक्त अधिकारियों की सराहनीय सेवाओं के लिए “प्रादेशिक सेना अलंकरण” सहर्ष प्रदान करने हैं :—

मेजर सुरजीत सिंह (टी० ए०-40381), आटिलरी

मेजर रण सिंह (टी० ए०-40590), आटिलरी

मेजर वासुदेव कुमारी मेथारे (टी० ए०-40618), इन्फैन्ट्री

मेजर अन्द्रबीर सिंह (टी० ए०-40677), आटिलरी

मेजर रमेश बाबूराव बागी (टी० ए०-40692), इन्फैन्ट्री

मेजर छवाजा निज मुहीन हसन (टी० ए०-40735), इन्फैन्ट्री

मेजर बीरेन्द्र सिंह (टी० ए०-40748), आटिलरी

कैप्टन हरवंश सिंह खोखर (टी० ए०-40792), आटिलरी

कैप्टन सुदर्शन सिंह (टी० ए०-40842), इन्फैन्ट्री

मेजर भूपति रजन चौधरी [टी० ए०(एम०)-1018], ए० एम० सी० (टी० ए०)

क० बालचन्द्रन,
राष्ट्रपति के सचिव

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 मई 1975

संख्या 3/1/ई०सी० एक/75—लोक सभा के निम्नलिखित सदस्यों को 1 मई, 1975 से आरम्भ होने वाली कार्यविधि के लिए प्राक्कलन समिति का सदस्य निर्वाचित किया गया है—

1. श्री नाथू राम प्रहिरवार
2. श्री कुशोक बाकुला
3. श्री ईश्वर चौधरी
4. श्री मधु वंडवते
5. श्री अनवि धरण दास
6. श्री तुलसीदास दासप्पा
7. श्री अनन्त प्रसाद धूसिया
8. श्री लक्ष्मन काकाश दुभादा
9. श्री बरके जार्ज
10. श्री तरुण गोगोई
11. श्री माधुर्य हालदार
12. श्री जे० जी० कदम
13. श्री एम० कतामुतु
14. श्री महाराज सिहू
15. श्री यमुना प्रसाद मण्डल
16. श्री जगन्नाथ मिश्र
17. श्री मोहम्मद खुदा बख्श
18. श्री अरविन्द बाल पजनौर
19. श्री सुधाकर पाढे
20. श्री धन शाह प्रधान
21. औधरी राम प्रकाश
22. श्रीमती बी० राधाबाई आनन्द राव
23. श्री भोला राउत
24. श्री एम० गोपाल रेड्डी
25. श्री पिंव कुमार शास्त्री
26. श्री संत बरुश सिंह
27. श्री आर० के० सिन्हा
28. श्री आर० बी० स्वामीनाथन
29. श्री के० पी० उल्लीकृष्णन्
30. श्री के० वीरथा

संख्या 3/1/ई०सी० एक/75—प्रध्यक्ष महोदय ने श्री आर० के० सिन्हा को 1 मई, 1975 से आरम्भ होने वाली कार्यविधि के लिए प्राक्कलन समिति का सभापति नियुक्त किया है।

जी० डी० शर्मा,
मुख्य वित्तीय समिति अधिकारी

(पी० य० बांध)

नई दिल्ली-110001, दिनांक

संख्या 1(2)-पी०य०/75—लोक-सभा और राज्य-सभा के निम्नलिखित सदस्य मई, 1975 से आरम्भ होने वाली अवधि के लिए, सरकारी उपक्रमों सम्बन्धी समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए, विधिवत् निर्वाचित घोषित किये गये हैं।

लोक-सभा के सदस्य

1. श्री दीनेन भट्टाचार्य
2. श्री भीरेन्द्र शा
3. श्रीमती शीला कौल
4. श्री वी० मायावन
5. श्री सुरेन्द्र महल्ली
6. श्री दामोदर पाढे
7. श्री पाओकाई हाओकिप
8. श्री नटवर लाल पटेल¹¹
9. श्री राम सूरत प्रसाद
10. श्री के० नारायण राव
11. श्री वसन्त माठे
12. श्री सी० के० जफर शरीफ
13. श्री नवल किशोर शर्मा
14. श्री अटल बिहारी वाजपेयी
15. श्री अमर नाथ विद्यालकार

राज्य-सभा के सदस्य

16. श्री श्रीमत् प्रफुल्ल गोस्वामी
17. श्री हर्षदेव मात्लबीय
18. श्री जगदीश प्रसाद माथूर
19. श्री भोला प्रसाद
20. श्री धीरेन्द्र पाटिल
21. श्री सुलतानी सिंह¹²
22. पंडित भवानी प्रसाद तिवारी

प्रध्यक्ष महोदय ने श्री नवल किशोर शर्मा को समिति का सभापति नियुक्त किया है।

एम० ए० सौन्दर राजन,
मुख्य वित्तीय समिति अधिकारी

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 मई 1975

1. पी० 5/1/75/पी०य०/सी०—लोक सभा तथा राज्य सभा के निम्नलिखित सदस्य 30 अप्रैल, 1976 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये लोक सेक्षा समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिये निर्वाचित हुए हैं।

लोक-सभा के सदस्य

1. श्री टी० बालकृष्णन्
2. श्री चन्द्रलाल अन्नाकर

3. श्री चन्द्रिका प्रसाद
4. श्री दरबारा सिंह
5. श्री सी० सी० गोदैन
6. श्री पम्पन गोडा
7. श्री राजा कुलकर्णी
8. श्री म्यामसुन्दर महापात्र
9. श्री एच० एन० मुकर्जी
10. श्री प्रिय रंजन दास मुश्ती
11. श्री नरेन्द्र सिंह
12. श्री नूरल हुडा
13. श्री शिवनन लाल सबसेना
14. श्री नरेन्द्र कुमार सांधी
15. श्री सोमचन्द्र सोलंकी

राज्य-सभा के सदस्य

16. श्री मोहम्मद उस्मान प्रारिफ
 17. श्रीमती प्रतिभा सिंह
 18. श्री बी० बी० राजू
 19. श्री गुलाबराव पाटिल
 20. श्री टी० के० श्रीनिवान
 21. डा० के० मैथूर कूरियन
 22. श्री रवि राय
2. अध्यक्ष महोदय ने श्री एच० एन० मुकर्जी को समिति का सभापति नियुक्त किया है।

एन० सुन्दर राजन,
वरिष्ठ वित्तीय समिति अधिकारी

मम्मीमंडल सचिवालय

कानूनिक और प्रशासनिक सुधार विभाग नियम

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1975

सं० 12/4/75CII—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 1975 में निम्नलिखित सेवाओं में प्रस्थायी रिक्तियों के भरने के प्रयोजन के लिए ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम अर्द्धसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा-प्रेड-III
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा-प्रेड-III
- (iii) सशस्त्र सेना सुख्यालय आशुलिपिक सेवा-प्रेड-III
- (iv) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में आशुलिपिकों के पद

कोई भी उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं में से किसी एक या एक से अधिक से संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। इन सेवाओं में से जितनी के लिए भी वह उम्मीदवारी के लिए विचार कराया जाना चाहे अपने आवेदन पत्र में उनका उल्लेख कर सकता है।

नोट :—उम्मीदवार को चाहिए, कि वे जिन सेवाओं के लिए प्रतियोगिता करना चाहते हैं उनकी वरीयता के क्रम को स्पष्ट रूप से लिख दें। उम्मीदवार द्वारा प्रारंभ में अपने आवेदन-पत्र में निविष्ट सेवाओं के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने के किसी भी ऐसे अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में परीक्षा की तारीख से तीन महीने के भीतर प्राप्त न हो।

2. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिणिष्ट 1 में निहित विधि से किया जाएगा।

परीक्षा की तारीखें और स्थान संस्थान द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या संस्थान द्वारा जारी की गई सूचना में निर्दिष्ट की जाएगी। भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा की गई संख्या तक आरक्षण की व्यवस्था होगी।

भूतपूर्व सैनिक का ग्रन्थ उस व्यक्ति से है जो संघ की सशस्त्र सेनाओं में किसी भी पद पर (चाहे लड़ाकू सैनिक के रूप में रहा हो अथवा नहीं) छ: मास की अवधि तक निरन्तर रहा हो और दुराचार अथवा अद्वेष्टा के कारण पदब्ध्युत या सेवाभूत करके निर्मृत न किया गया हो।

राष्ट्राकां—इन नियमों के प्रयोजन के लिए संघ की सशस्त्र सेनाओं में भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं शामिल हैं, लेकिन उसमें निम्नलिखित सेनाओं के सदस्य शामिल नहीं हैं:—

- (क) आसाम राष्ट्रफल्स ;
- (ख) लोक सहायक सेना ; और
- (ग) जनरल रिजर्व इंजीनियर्स फोर्स।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अधिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है:

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश 1956, द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950 और संविधान अनुसूचित प्रादिम जाति (भाग ग राज्य) आदेश, 1951 संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 और संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964 तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोम्बा, वमन व द्वीप) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970।

- (1) यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो
 (क) भारत का नागरिक हो, या
 (ख) सिक्खिम की प्रजा, या
 (ग) नेपाल की प्रजा, या
 (घ) भूटान की प्रजा, या
 (ड) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
 (च) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से बसने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका अथवा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवर्जित हुआ हो।

परन्तु ऊपर की श्रणी (ग), (घ), (ड) और (च) से संबन्धित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होता चाहिए।

किन्तु इन्मतिष्ठित वर्गों में से किसी एक वर्ग के उम्मीदवार के मामले में पात्रता-प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा :—

- (i) 19 जुलाई, 1948 से पूर्व पाकिस्तान से भारत में प्रव्रत्ति और साधारणतः तब से भारत में रह रहे व्यक्ति।
- (ii) 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद पाकिस्तान से भारत में प्रवर्जित वे व्यक्ति जिन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 6 के अंतर्गत अपने ग्राप को भारतीय नागरिक के रूप में पंजीयित करा लिया हो।
- (iii) तथापि ऊपर की श्रणी (च) के उन गैर नागरिक उम्मीदवारों जो संविधान लागू होने की तारीख अर्थात्, 26 जनवरी, 1950 से पहले भारत सरकार की सेवा में आ गए और तभी से लगातार उस सेवा में है, के मामलों में पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक नहीं होगा परन्तु जो अवित्त सेवा भंग करके 26 जनवरी, 1950 के बाद उसी सेवा में फिर आया हो अथवा फिर आए उसे सामान्य रीति से पात्रता प्रमाण-पत्र लेना आवश्यक होगा।

किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है यदि सरकार आवश्यक प्रमाण पत्र दे दे तो उसे परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है तथा अनंतिम रूप से उसकी नियुक्ति भी की जा सकती है।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित न हो, या संघ राज्य क्षेत्र गोवा, बमन तथा दीव का निवासी न हो, या केन्या/उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवर्जन करके न आया हो यह प्रतियोगिता में दो से अधिक बार नहीं बैठ सकता। यह प्रतिबन्ध सन् 1972 में ली गई परीक्षा से लागू होगा।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1975 को 18 वर्ष की हो गई हो और 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1950 से पहले और 1 जनवरी, 1957 के बाद न हुआ हो।

(ख) उस ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष आयु की छूट दी जाएगी जो संघ राज्य प्रशासन सहित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों/विभागों तथा निर्वाचन आयोग अथवा केन्द्रीय सरकार आयोग के कार्यालयों में आशुलिपिकों (भाषा आशुलिपिकों सहित) लिपकों/आषुटंकों/हिन्दीलिपि हिन्दी टंककों के

पद पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी, 1975 को जिन्होंने आशुलिपिकों (भाषा आशुलिपिकों सहित)/लिपिकों/आशुटंककों/हिन्दी लिपकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा कर ली है और उसी रूप में सेवा कर रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उपर्युक्त आयुसीमा में छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा प्रायोजित किसी पूर्व परीक्षा के आधार पर आशुलिपिक नियुक्त हैं।

(ग) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामले में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम 3 वर्ष में कम होने की निरन्तर सेवा की हो, उनकी सशस्त्र सेना में कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयुसीमा में छूट दी जाएगी।

परन्तु इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल भूतपूर्व सैनिकों के लिए प्रारक्षित रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

मोट :—उपरोक्त नियम 6 (ग) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्रहेतु सामर्थ्य पर सेवा की प्रवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जायेगी।

(ध) ऊपरी आयुसीमा में इन्मतिष्ठित और अधिक छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (2) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद परन्तु 25 मार्च 1971 से पहले प्रवर्जन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले प्रवर्जन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,
- (4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात श्रीलंका से भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका, और जंजीबार) से प्रवर्जित हो तो अधिकतम 3 वर्ष तक,
- (7) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली

- जून, 1963 को या उसके पश्चात भारत से प्रवर्जित हुआं हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (8) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा वर्षा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति ही, और पहली जून, 1963 को या उसके पश्चात भारत में प्रवर्जित हुआ हो तो अधिकतम् 8 वर्ष तक,
- (9) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा-सेवा कार्मिकों के मामले में अधिकतम् 3 वर्ष तक,
- (10) किसी दूसरे देश से झगड़ों के दौरान अथवा उपद्रव-ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा कर्मचारियों के मामलों में जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित हों, अधिकतम् 8 वर्ष तक,
- (11) यदि उम्मीदवार संघ राज्य भेल के गोवा, बमन और दीव का रहने वाला है तो अधिकतम् तीन वर्ष,
- (12) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कारंवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के मामलों में अधिकतम् 8 वर्ष तक, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों।
- ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा ऊपर विवित आयु सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।
- टिप्पणी (1) उपर्युक्त नियम 6 (ख) के अंतर्गत परीक्षा में प्रवेश किए गए व्यक्ति की उम्मीदवारी उस हालत में रद्द कर दी जाएगी यदि वह आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात परीक्षा से पहले अथवा आद में सेका से त्यागपत्र दे देता है अथवा उसके विचार द्वारा उसकी सेवा समाप्त कर दी जाती है। यदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात सेवा अथवा पत्र से उत्तरी छान्टी कर दी जाती है तो भी वह परीक्षा के योग्य ब्राह्मण रहेगा।
- (2) आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक/सहित) /लिपिक/आशुटंक/हिन्दी लिपिक जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से विवरणी विवरणी पत्रों पर प्रतिनियुक्त पर हैं यदि अस्त्र-फ्रांकर से पात्र हो, तो इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।
- (7) यह आवश्यक है कि उम्मीदवारों ने नीचे लिखी परीक्षायों में से कोई एक पात्र की ही या उनके पात्र लिखित से एक ब्राह्मण पत्र हो:—
- (4) भारत के केंद्रीय अधिकारी राज्य विभाग मण्डल के किसी
- अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा:
- (2) किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा माध्यमिक स्कूल कोर्स के अंत में शालान्त (स्कूल लीगिंग) माध्यमिक स्कूल, हाई स्कूल या ऐसे किसी और प्रमाणपत्र के दिये जाने के लिये, जिसे वह राज्य सरकार नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष मानती हो, ती गई कोई परीक्षा,
- (3) कैम्ब्रिज स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा (सीनियर कैम्ब्रिज)
- (4) राज्य सरकारों द्वारा ली गई यूरोपीय हाई स्कूल परीक्षा
- (5) अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम की दसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र,
- (6) दिल्ली पोलिटेक्निक के तकनीकी हायर सैकेन्ड्री स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र
- (7) भारत में किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकेन्ड्री स्कूल/मल्टीपरपज स्कूल द्वारा हायर सैकेन्ड्री पाठ्यक्रम मल्टीपरपज पाठ्यक्रम (जो किसी छात्र को डिग्री के कोर्स के लिए पात्र बनाता है) के उपान्तिम वर्ष में ली गई परीक्षा में उत्तीर्ण,
- (8) किसी मान्यता प्राप्त हायर सैकेन्ड्री स्कूल या इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा के लिए छात्रों को तैयार करने वाली किसी मान्यता प्राप्त स्कूल की दसवीं कक्षा का प्रमाणपत्र,
- (9) जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की जूनियर परीक्षा केवल जामिया के वास्तविक आवासी छात्रों के लिए,
- (10) बंगाल (सांस्कृत) स्कूल सर्टिफिकेट,
- (11) नेशनल काउन्सिल आफ एजूकेशन (राष्ट्रीय शिक्षा परिषद) जादवपुर पश्चिमी बंगाल की (शुरू से लेकर) फाइनल स्कूल स्टैन्डर्ड परीक्षा,
- (12) पांडिचेरी की नीचे लिखी फ्रैंच परीक्षाएँ:—
- (1) ब्रीवे एलिनटेयर (2) ब्रीवे देससीमा प्रीमियर द लांग इंडियेन ब्रीवे दे एतयूद द्यू प्रीमिये सिक्ल (4) ब्रीवे द एसीमा प्रीमियर मुमीरियर दे लांग इंडियेन ब्रीवे (5) ब्रीवे दे लांग इंडियेन (वनक्सियूलर)
- (13) इंडियन आर्मी स्पेशल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन,
- (14) भारतीय नौसेना का हायर एजूकेशन टैस्ट,
- (15) एडवांस क्लास (भारतीय नौसेना) परीक्षा,
- (16) सीलोन सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,
- (17) ईस्ट बंगाल सैकेन्ड्री एजूकेशन बोर्ड, ढाका द्वारा दिया गया प्रमाणपत्र,
- (18) बंगला देश में कोमीला/राजशाही/खुलना/जैसौर के बोर्ड आफ सैकेन्ड्री एजूकेशन द्वारा दिए गए सैकेन्ड्री स्कूल के प्रमाण पत्र,
- (19) नेपाल सरकार की स्कूल-लीर्निंग सर्टिफिकेट परीक्षा,

- (20). एंग्लोवनक्यूलर स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (बर्मा)
- (21). बर्मा हाई स्कूल फाइनल एंजामिनेशन सर्टिफिकेट विश्वविद्यालय कोर्स के लिए पावता सहित,
- (22) बर्मा हाई स्कूल फाइनल एंग्लोवनक्यूलर हाई स्कूल परीक्षा (युद्धपूर्व)
- (23) बर्मा का पोस्ट-वार स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट,
- (24) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद की विनित परीक्षा,
- (25) गोवा, दमन और दीव की पुर्तगाली परीक्षा लाइसिसूम के पांचवे वर्ष में पास,
- (26) श्रीलंका की जनरल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन (साधारण-स्तर) नामक परीक्षा यदि वह कम से कम पांच विषयों सहित पास की गई हो,
- (27) सामान्य स्तर पर लंदन के ऐसोसिएशन एंजामिनेशन बोर्ड का जनरल सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन परीक्षा, यदि वह अंग्रेजी सहित पांच विषयों में पास की गई हो,
- (28) किंती राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई जूनियर/ मैकेनिकल तकनीकी स्कूल परीक्षा।
- (29) वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का पूर्व मध्यमा (अंग्रेजी सहित) या पुरानी खण्ड मध्यमा (प्रथम दो वर्ष का पाठ्यक्रम) तथा उस विद्यालय के विषयों में से एक विषय अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशिष्ट परीक्षा,
- (30) गोवा, दमन तथा दीव की स्वतन्त्रता से पूर्व पुर्तगाली स्थापना के अंतर्गत इस्कोला इन्डस्ट्रियल, कार्मिशियल दी गोवा, पाणजी द्वारा दिया गया/कार्ट दी कुर्सी दी, फेर्मिका दी सेरलेहरी (सिंमिथी पाठ्यक्रम का प्रमाण-पत्र) तथा कार्ट दी कुर्सी दी मोन्टावर इलैक्ट्रीसिस्टा (इलैक्ट्रीसियन) पाठ्यक्रम का प्रमाणपत्र,
- (31) राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालेज डिप्लोमा परीक्षा !
- (32) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा ली जाने वाली 'मध्यमा' परीक्षा,
- (33) शिक्षा निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा कार्पोरल के रैक में पदोन्नति हेतु ली जाने वाली भारतीय वायुसेना भौक्तिक परीक्षा,
- (34) विल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली अर्हक विज्ञान परीक्षा,
- (35) शिक्षा मंत्रालय मलेशिया के सहयोग से ली जाने वाली कॅम्पिज लौकल एंजामिनेशन सिन्डीकेट विश्वविद्यालय की मलेशियन सर्टिफिकेट आफ एजूकेशन परीक्षा,
- (36) पंजाब विश्वविद्यालय की हायर सेकंडरी (कोर विषय) परीक्षा,
- (37) बायोज ट्रेनिंग एस्टेबिलिशमेंट, विश्वायापटनम द्वारा ली गई पार्सिंग श्राऊट (भारतीय नेबी) परीक्षा,
- (38) एंग्लो इंडियन स्कूल मद्रास के निरीक्षक द्वारा ली गई एंग्लो इंडियन हाई स्कूल परीक्षा (स्टैडर्ड-XI),
- (39) भारतीय विद्यालय प्रमाण-पत्र परीक्षा परिषद द्वारा संचालित भाष्यमिक शिक्षा परीक्षा (कक्षा-X परीक्षा

का भारतीय प्रमाण-पत्र, बशर्ते कि यह परीक्षा पांच विषय लेकर पास की गई हो जिनमें गणित, विज्ञान और कम से कम दो भाषाएँ सम्मिलित हों। पांचवा विषय युप I के योग विषयों (भारतीय इतिहास एवं संस्कृत, नागरिक-शास्त्र तथा भूगोल) अथवा युप II के विषयों (कला, तकनीकी इंजीनियरिंग के साथ लकड़ी का कार्य अथवा धातु-कार्य, प्रारम्भिक गृह-विज्ञान, प्रारम्भिक लेखा-जोखा और कार्यालय पद्धति के साथ आशुलिपि तथा टक्कण) में से कोई सा हो सकता है।

- (40) तनजानियां सरकार की परीक्षा-परिषद द्वारा संचालित राष्ट्रीय कार्म IV परीक्षा।

टिप्पणी-1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा, जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है, दे चुका हो, लेकिन उसके परिणाम की सूचना उसे नहीं मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए श्रावेदन-पत्र दे सकते हैं बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के शुरू होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों, परीक्षा में बैठने दिया जाएगा, किन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम होगी और यदि वे उक्त परीक्षा पास करने का प्रमाण जन्मी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के शुरू होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महीने के प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जी सकेगी।

टिप्पणी-2 : कुछ विशिष्ट मामलों में, किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है, केंद्रीय सरकार अर्हता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है, बशर्ते कि वह उस स्तर तक अर्हता प्राप्त है, जो इस सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

8. जिस व्यक्ति ने

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जिसने, जीवित पति/पत्नी के होते हए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है तो सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केंद्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह संबंधी अन्य पक्ष के लिए प्रवृत् व्यक्तिगत कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के अन्य कारण है और उसको इस नियम से छूट न दें।

9. जो उम्मीदवार स्थाई या अस्थाई हैसियत से पहले से ही सरकारी सेवा कर रहा हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से पहले अपने विभाग अध्यक्ष की अनुमति अवश्य ले लेनी चाहिए।

10. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्बन्धित सेवा/पद के अधिकारी

के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है, तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिन पर नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाने की सम्भावना हो।

टिप्पणी :- अशक्त भूतपूर्व रक्षा सेवा कार्यक्रमों के मामले में रक्षा सेवा के सेम विधटन डाक्टरी बोर्ड (डिमौबील इंजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वास्थ्यता - प्रमाण - पत्र नियुक्ति के प्रयोगन के लिए पर्याप्त समझा जायेगा।

11. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपातता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।

12. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास संस्थान का प्रवेश पत्र (सार्टिफिकेट आफ एंडमीशन) न हो।

13. सशस्त्र सेनाओं से नियुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों तथा ऐसे उम्मीदवारों को छोड़कर, जिन्हें संस्थान के नोटिस के पैरा 8 (iv) के द्वारा फीस देने से छुट की गई हो, सभी उम्मीदवारों को संस्थान के नोटिस के पैरा 8 (i) में निर्धारित फीस देनी होगी।

भूतपूर्व सैनिकों को फीस में रिश्यायत केवल तब ही दी जाएगी, जबकि वे भूतपूर्व सैनिकों के रूप में पात्रता की अन्य शर्तों को पूरा करते हों।

14. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने की कोई कोशिश करेगा तो वह उम्मीदवार परीक्षा में बैठने के लिए अधोरूप घोषित किया जा सकता है।

15. यदि किसी उम्मीदवार को संस्थान द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :-

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी ग्रन्थ अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा

(viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
(ix) उपर्युक्त खड़ों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :-

(क) संस्थान द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) (i) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए संस्थान द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके बिश्व उपर्युक्त नियमों के अधीन, अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

16. परीक्षा के पश्चात् अंतिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर संस्थान उम्मीदवार को गुणानुक्रम (मेरिट) के आधार पर और उसी क्रम से परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रत्येक सेवा में भरे जाने के लिए निश्चित अनारक्षित रिक्त स्थानों की संख्या के अनुसार जिसने उम्मीदवारों की परीक्षा के द्वारा अहंता ग्राप्त देखेगा, उनकी केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी - III और केन्द्रीय सतर्कता आयोग के आशुलिपिकों के पदों में नियुक्ति के लिए सिफारिश करेगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो संस्थान द्वारा निर्धारित सामान्य मान के अनुसार उसे उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित कर देने पर उस सेवा/पद में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिये बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

जो भूतपूर्व सैनिक परीक्षा फल के आधार पर संस्थान द्वारा नियुक्ति के योग्य समझे जाएंगे वे अपने लिए आरक्षित रिक्तियों में नियुक्ति के योग्य होंगे और इस नियुक्ति के लिए परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

आगे यह भी शर्त है कि भूतपूर्व सैनिकों के अनुसूचित जाति/ अनुसूचित आदिम जाति/उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई तो उन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों को जिन्हें संस्थान की शर्तों के अनुसार नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित किया गया हो उस सेवा/पद पर नियुक्ति की जाने के लिए

परीक्षा में उसे उसके योग्यता श्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

17. परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्तियां करते समय उन वरीयताओं पर समुचित ध्यान दिया जाएगा जो उम्मीदवार ने विभिन्न सेवाओं के लिए अपने आवेदन पत्र (आवेदन पत्र का कालम 13) में दी थी।

18. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान परिणामों के सम्बन्ध में उनके साथ कोई पत्र व्यबहार नहीं करेगा।

19. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपर्युक्त है तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

20. उन सेवाओं से सम्बन्धित सेवा के विवरण, जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा धर्ती की जा रही है, संक्षेप में परिशिष्ट II में दिए गए हैं।

टी० के० सुविद्याणियम्,
अवर सचिव

परिशिष्ट I

(1) परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

भाग क-लिखित परीक्षा

विषय	विद्या गया समय	पूर्णांक
(1) अंग्रेजी	3 घंटे	100
(2) सामान्य ज्ञान	3 घंटे	100

भाग ख- अंग्रेजी अथवा हिन्दी में आशुलिपि परीक्षा (जो लिखित परीक्षा में पास होंगे उन्हीं के लिए) 300 अंक

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के नोट को टक्कण मशीन पर नकल करना होगा और इस उद्देश्य के लिए उन्हें अपनी मशीन साथ लानी होगी।

2. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम तथा आशुलिपि परीक्षा की योजना इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिए अनुसार होंगे।

3. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे लिखित परीक्षा के सामान्य ज्ञान के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी लिपि) में किसी में करें। प्रश्न पत्र (2) में छूट पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगी त की उसमें किसी भाग के लिए।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न पत्र का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी हिन्दी (देवनागरी) में ही देनी होगी, और जो उम्मीदवार उपर्युक्त

प्रश्न पत्र का का उत्तर अंग्रेजी में देंगे उन्हें आशुलिपि परीक्षा भी अंग्रेजी में ही देनी होगी।

टिप्पणी 1—लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र (2) सामान्य ज्ञान तथा आशुलिपि परीक्षा के प्रश्नों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि में) देने के इष्टुक उम्मीदवारों को अपना दरादा आवेदन पत्र के कालम 8 में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि वे लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा का उत्तर अंग्रेजी में देंगे।

एक बार प्रयोग किया गया विकल्प अंतिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए सामान्यतः कोई अनुरोध स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी 2—ऐसे उम्मीदवारों को अपनी नियुक्ति के बाद जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे, अंग्रेजी आशुलिपि और जो आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी।

टिप्पणी 3—जो उम्मीदवार उपर्युक्त पंरा 3 के अनुसार विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (2) का उत्तर तथा आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में वहां ऐसी परीक्षा लेने के आवश्यक प्रबन्ध हो जाना पड़ सकता है।

4. लिखित परीक्षा का अंग्रेजी प्रश्न पत्र (1) का उत्तर सभी उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में देना अनिवार्य है।

5. जो उम्मीदवार 100 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुतेखन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे वे 80 शब्द प्रति मिनट वाले श्रुतेखन में स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से श्रम में उपर होंगे। प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवरता अनुश्रूतमें रखा जाएगा (निम्नलिखित अनुसूची के भाग ('ब' को देखें)।

6. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. संस्थान अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अहंक (अकालीफांडग) अंक निर्धारित कर सकता है।

8. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपि परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अहंक अंक प्राप्त कर लेंगे।

9. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

10. लिखित विषयों में अस्पष्ट लिखावत कारण, पूर्णांक के 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जायेंगे।

11. परीक्षा के सभी विषयों में आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण वंग से और टीकटीक की गई अभिव्यक्ति का लाभ दिया जाएगा।

अनुसूची
भाग-क

लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम

टिप्पणी—भाग 'क' के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मंटीकुलेशन परीक्षा का होता है।

अंग्रेजी—इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के अप्रेंजी ध्याकरण और शुद्ध निबन्ध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की योग्यता की जांच करना है। अंक देते समय वाक्य-विन्यास सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा कौशल को ध्यान में रखा जायेगा। इस प्रश्न पत्र में निबन्ध लेखन, मसोदा लेखन, शब्दों का शुद्ध प्रयोग, आसान मूँहावरे और उपसर्ग, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष भाषण आदि शामिल किये जा सकते हैं।

सामान्य ज्ञान—भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामरिक घटनाएं, सामान्य यिज्ञान के विषयों का थोड़ा-बहुत ज्ञान तथा दिन प्रति दिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे अवधिक को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तर में यह प्रकट हो कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तर से किसी पाठ्यक्रम पुस्तक के व्यौरेवार ज्ञान की प्रयोक्ता नहीं की जाती।

भाग-ख

आशुलिपिक परीक्षा की योजना

अंग्रेजी में आशुलिपि की दो श्रुतलेख परीक्षाएं होंगी—एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से 7 मिनट के लिए और दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए जो उम्मीदवार को ऋमशः 50 तथा 65 मिनट में लिप्यतंत्र (नकल) करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की दो श्रुतलेख परीक्षाएं होंगी—एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट के लिए जो उम्मीदवार को ऋमशः 60 तथा 75 मिनट में लिप्यतंत्र (नकल) करनी होंगी।

परिचाष्ट 2

उन सेवाओं से सम्बन्धित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

क—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की इस समय निम्न चार श्रेणी हैं :—

चयन श्रेणी—स्पष्ट 775-35-880-40-1000-द० रो - 40-1200

प्रेड-I—रु 650- 30-740-35-880-द० रो० - 40-1040

प्रेड-II—रु० 425-15-500-द० रो० - 15-560-20-700-द० रो० - 25-800

प्रेड-III—रु० 330-10-380-द० रो० - 12- 500-द० रो० - 15-560

(2) श्रेणी 3 में भर्ती किए गए अवक्ति दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार सम्बन्धित अवक्ति को अपने पद पर स्थायीकरण कर सकती है। अथवा उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित भमझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा श्रेणी 3 में भर्ती किए गए अवक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायगा। वे किसी भी समय किसी भी ऐसे दूसरे कार्यालय या मंत्रालय में बदले जा सकते हैं।

(5) सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्त किये गये अवक्ति इस सम्बन्ध में समय समय पर लागू नियमों के अनुसार अगली उच्च श्रेणी में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(ब)—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा

क(I)—रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार श्रेड हैं।

चयन श्रेड—स्पष्ट 775-35-880-1000 रो० - 40-1200

प्रेड-I—स्पष्ट 650- 30-740-35-880-द० रो० - 40-1040

प्रेड-II स्पष्ट 425-15-500-द० रो० 15-560-20-700-द० रो० - 25-800

प्रेड-III —स्पष्ट 330-10-380-द० रो० - 12-500-15-560

(ii) श्रेणी III में भर्ती किए गए अवक्ति दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और परीक्षाएं पास करनी होंगी। परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर यदि सरकार की राय में यह पाया जाता है कि उनमें से किसी का भी कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो उसे सेवा से बख्तिर किया जा सकता है या उसकी परिवीक्षा की अवधि उतनी और बढ़ायी जा सकती है जितनी सरकार उचित समझेगी।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा रेल मंत्रालय मात्र के लिए है और स्टाफ का अन्य मंत्रालय में अन्तरण नहीं किया जाता जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में होता है।

(ग) रेलवे बोर्ड की आण्डिलिपिक सेवा के अधिकारी इन नियमों के अधीन भर्ती किए जाने हैं:—

(i) पेशन लाभ के पात्र होंगे, और

(ii) गैर-अंशदारी राज्य रेलवे भविष्य निधि के उन नियमों के अन्तर्गत इस निधि में योगदान करना होगा जो सेवा में उनके जाने पर नियक्ति की तारीख से लागू होगे।

(घ) रेलवे बोर्ड मंत्रालय आशुलिपिक सेवा में नियक्त उम्मीदवार रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार पास और पी० टी० ओ० का विजेताधिकार प्राप्त करने के पात्र होंगे।

(ङ) जहाँ तक छट्ठी और सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड मंत्रालय आशुलिपिक सेवा के स्टाफ के साथ दैमा ही व्यवहार किया जायेगा जैसा कि अन्य रेल कर्मचारियों के साथ किया जाता है लेकिन निकित्या सुविधाओं के मामले में वे नई दिल्ली मुख्यालय वाले अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू नियमों द्वारा शासित होंगे।

ग—सशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के इस समय नियन्त्रित चार ग्रेड हैं:—

चयन ग्रेड-र० 775-35-880-40-1000-द० रो० - 40-1200

ग्रेड-I र० 650-30-740-35-880-द० रो० - 40-1040

ग्रेड-II र० 425-15-500-द० रो० - 15-560-20-700-द० रो० - 25- 800

ग्रेड-III र० 330-10-380-द० रो० - 12-500-द० रो० - 15- 560

2 ग्रेड-111 में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष तक परिवेश पर रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा, परीक्षा पास करनी होंगी। परिवेश की अवधि के दौरान यदि किसी परिवेशाधीन अधिकारी की सेवा का रिकार्ड असंतोषजनक होगा तो उसे सेवा में मुक्त किया जा सकता है। या उसकी परिवेश की अवधि को उतना और बढ़ाया जा सकता है जितना कि सरकार उचित समझे।

3. उक्त सेवा के ग्रेड III में भर्ती किए गए व्यक्तियों को साक्षात्कार दिल्ली/नई दिल्ली स्थित अन्तः सेवा संगठनों तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय (ए० एफ० एच० क्य०) के किसी भी कार्यालय में नियुक्त कर दिया जाएगा। उन्हें दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर ऐसे अन्य स्टेशनों पर भी जहाँ ए० एफ० एच० क्य० / आई० एस० संगठनों के कार्यालय हों नियक्त किया जा सकता है।

4. उक्त सेवा के ग्रेड III में भर्ती किए गए व्यक्ति इस मन्त्रन्ध में समय समय पर लागू नियमों के अनुसार अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छट्ठी, चिकित्सा सहायता तथा सेवा की अन्य शर्तें वही होंगी जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तः सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक-वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

घ—केन्द्रीय सतर्कता आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग में आशुलिपिक सेवा में नियन्त्रित ग्रेड है—

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक—र० 650- 30- 740-35-880-द० श्र० - 40- 1040

वैयक्तिक महायक—र० 425-15-500-द० श्र० - 15-560- 20-700-द० श्र० - 25- 800

आशुलिपिक — र० 330- 10- 380- द० श्र० - 12-500-द० श्र० - 15-560

2. आशुलिपिकों के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन होंगे। इस अवधि के दौरान, उनका सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने और परीक्षाएँ पास करनी पड़ सकती हैं। परिवीक्षाधीन अवधि के दौरान सेवा का रिकार्ड असंतोषजनक होने से परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से बिमुक्त किया जा सकता है। या उनकी परिवीक्षाधीन अवधि को केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा यथोचित समझी गई अवधि के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है।

3. आशुलिपिकों के पदों पर भर्ती किए गए व्यक्ति इस मन्त्रन्ध में समय-नगमय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

4. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में आशुलिपिकों के पद से० रा० ३० श्रा० से० में सम्मिलित नहीं है परन्तु उन पर भी वही नियम लागू होंगे जो अन्य सरकारी कर्मचारियों पर लागू हैं।

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली 110001, दिनांक

आदेश

सं० 7(2)/-75-सी०एल० 2-कम्पनी अधिनियम, 1956(1956 का 1) की धारा 209 के खंड (1) के उप-खंड (2) के अनुसरण में कम्पनी विधि बोर्ड एतत्द्वारा, भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के नियन्त्रित अधिकारियों को कथित धारा 209के उद्देश्य के लिये प्राधिकृत करता है:—

1—श्री आरा० एन० बन्सल, प्रादेशिक निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड भारत।

2—श्री सुरेश बिहारी माथुर, उप निदेशक (लेखा) कम्पनी विधि बोर्ड, मद्रास।

2. कम्पनी विधि बोर्ड अधिकारियों के विभिन्न कार्यालय के दिनांक 14 अगस्त 1968 के आदेश सं० 51/1/65—

सी० एल० 2 के अनुसार श्री ग्रार० एन० बन्सल के पक्ष में पहले के प्रेषित प्राधिकार का एतद्वारा प्रतिसंहरण करता है।

टी० एस० श्रीनिवासन, संयुक्त निदेशक, निरीक्षण एवं पदेन उप-सचिव

वित्त मंत्रालय

धर्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1975

संकल्प

सं० फा० 16(1) ई० वी०/75—सर्वसाधारण के सूचनार्थ

यह घोषणा की जाती है कि वर्ष 1975-76 के दौरान 25000 रु० तक की सामान्य भविष्य निधि तथा अन्य उसी प्रकार की निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर (जिनमें जमा की गई तथा निकाली जाने वाली राशियां शामिल हैं) ब्याज की दर 7.5 प्रतिशत वार्षिक होगी तथा 25,000 रु० से ऊपर की रकम पर ब्याज की दर 7.00 प्रतिशत वार्षिक होगी। ये दरें 1 अप्रैल, 1975 से आरम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान लागू रहेंगी। संबंधित निधियां निम्नानुसार हैं:

- (1) सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं)
- (2) सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं)
- (3) अंशदायी भविष्य निधि (भारत)
- (4) अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि
- (5) भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि
- (6) अन्य विविध भविष्य निधि (रक्षा)
- (7) रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि
- (8) सशस्त्र सेना कर्मचारी भविष्य निधि
- (9) सैनिक इंजीनियरी सेवा भविष्य निधि
- (10) भारतीय आयुध निर्माणी कामगार भविष्य निधि
- (11) अंशदायी भविष्य निधि (रक्षा)
- (12) भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि

2. रेल (रेल बोर्ड) मंत्रालय द्वारा अपने नियंत्रण अधीन विभिन्न भविष्य निधियों की शेष जमा पर, संबंधित वर्ष के दौरान लागू ब्याज की दरों के बारे में आवश्यक आदेश अलग से जारी किये जायेंगे।

आवेदन

3. आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

श्याम सुन्दर लाल मल्होत्रा, अवर सचिव

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1975

परिशिष्ट

सं० 13(68)/74-इंजी०—भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के 4 सितम्बर, 1974 के समसंबद्ध संकल्प अनुच्छेद 3 में निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया/जोड़ा जाये:

(क) क्रम संख्या 1 में “श्री एन० जे० कामत, अपर सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली” शब्दों के स्थान पर

“श्री हरि भूषण, सलाहकार (तकनीकी), भारी उद्योग विभाग, नई दिल्ली” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाये।

अब श्री एन० जे० कामत के स्थान पर श्री हरि भूषण नामिका के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

- (ख) क्रम संख्या 3 में “श्री हरि भूषण, सलाहकार (तकनीकी) और संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली” शब्दों के स्थान पर “श्री लिलोचन सिंह उप सचिव, भारी उद्योग विभाग, नई दिल्ली” शब्दों, को निविष्ट किया जायेगा।
- (ग) क्रम संख्या 4 में “श्री एस० बांगला, औद्योगिक सलाहकार, इस्पात विभाग, इस्पात और खान मंत्रालय, नई दिल्ली” शब्दों को “श्री एस० ग्रार० टाटा, विकास अधिकारी, इस्पात विभाग, नई दिल्ली” शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

- (घ) क्रम संख्या 14 में, “श्री विनोद शाह, प्रबंध निदेशक, मे० मुकुन्द आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड, कुर्ला, बम्बई” शब्द “श्री वी० एन० लोकुर, विष्णन प्रबंधक (फाउंड्रीज), मे० मुकुन्द आयरन एण्ड स्टील वर्क्स लिमिटेड, कुर्ला, बम्बई” शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

लिलोचन सिंह, उप-सचिव

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(परिवार नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1975

संकल्प

सं० पी० 11016/33/74-एम०सी०एच०—परिवार नियोजन विभाग के संकल्प संख्या 5-19/69-एम०सी०एच०, दिनांक 26-10-1970 के द्वारा काउंटेस आफ डफरिन निधि की पुनर्गठित सलाहकार समिति के कार्यकाल की समाप्ति पर भारत सरकार तत्काल प्रभाव से समिति का पुनर्गठन करती है।

पुनर्गठित समिति की रक्ता इस प्रकार होगी :

- | | |
|---|---------|
| (1) स्वास्थ्य और परिवार नियोजन उप मंत्री | अध्यक्ष |
| (2) संयुक्त सचिव एवं आयुक्त (प० नि०) | सदस्य |
| (3) संयुक्त सचिव (एस०), स्वास्थ्य विभाग | “ |
| (4) वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधि | “ |
| (5) उप महानिदेशक (चिकित्सा), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय | “ |
| (6) नर्सिंग सलाहकार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय | “ |
| (7) प्रधानाचार्या, लेडी हृषिंग मेडिकल कालेज, नई दिल्ली | “ |
| (8) प्रधानाचार्या, राजकुमारी अमृत कौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली | “ |
| (9) श्रीमती थंकम स्टीफन, कांग्रेस भवन, किलोन (केरल) | “ |

- (10) डा० (श्रीमती) लक्ष्मी गोस्वामी मार्फत डा० रोबिन
गोस्वामी, प८० एल० ए० लेजपुर सदस्य
- (11) श्रीमती कृष्णा मेहता मार्फत सोसाईटी, आफ मर्टन्ट्स
आफ ई, 11 यशवन्त प्लेस, सत्यमार्ग, चाणक्यपुरी,
नई दिल्ली "
- (12) सहायक आयुक्त (प्र० एवं शिशु कल्याण),
परिवार नियोजन विभाग सदस्य-सचिव
2. इस समिति का कार्य काउंटेस आफ डफरिन निधि से प्राप्त
आय के उपयोग और प्रशासन के बारे में भारत सरकार की
सलाह देना होगा।
3. समिति का कार्यकाल दो वर्ष होगा।

4. सरकारी सदस्यों को यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते पर होने
वाला व्यय उसी स्रोत से देय होगा जहाँ से उनके बैतन का आहरण
किया जाता है। समिति की बैठकों में भाग लेने
वाले गैर-सरकारी सदस्यों का यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता पूरक
नियम 190 के उपबन्धों और उसके अंतर्गत समय-समय पर जारी
किए गए भारत सरकार के आदेशों के अनुसार विनियमित किया
जाएगा।

अधेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य
सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों को भेज दी जाये। यह भी आदेश दिया
जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित
कर दिया जाये।

सरल। ग्रेवाल, संयक्त सचिव एवं
आयुक्त (प०नि०)

कृषि और सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1975

संकल्प

सं० 6-1/75/एल० ग०-१—दिल्ली, मेरठ तथा बुलन्दशहर
(दूध तथा दुग्ध उत्पाद) नियंत्रण आदेश 1975 की घोषणा
के फलस्वरूप, भारत सरकार ने आदेश की अवधि, अर्थात्
7-5-75 से 15-7-75 तक के लिये, निम्नलिखित सदस्यों की
एक मूल्य निर्धारण समिति का गठन करने का निर्णय किया है :—

- (1) आयुक्त, मेरठ प्रभाग, मेरठ अध्यक्ष
(2) अध्यक्ष, दिल्ली दुग्ध योजना, नई दिल्ली सदस्य
(3) उपसचिव, (पशु पालन) कृषि और सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग), नई दिल्ली सदस्य
(4) पशु पालन निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ सदस्य
(5) निदेशक, दुग्ध शाला विकास, सहकारी समितियां, उत्तर प्रदेश सदस्य-सचिव

2. मूल्य निर्धारण समिति उपरोक्त नियंत्रण आदेश के
परिचालन के दौरान, दिल्ली दुग्ध परियोजना द्वारा मेरठ तथा
बुलन्दशहर जिलों के दुग्ध उत्पादकों को दिये जाने वाले दूध का

निर्धारण करेगी। समिति मूल्य के निर्धारण में इस बात को
मुनिश्चित करेगी कि दुग्ध उत्पादकों को दूध का उचित मूल्य
दिया जाये तथा उपरोक्त आदेश की घोषणा के फलस्वरूप
कृतिम परिस्थितियों द्वारा मूल्य पर कोई प्रभाव न पड़े।

3. उत्पादकों को अदा किये जाने वाले मूल्य के सम्बन्ध में
ममिति का निर्णय दिल्ली दुग्ध योजना को मान्य होगा।

4. समिति का मुल्यालय मेरठ में होगा। समिति समय-समय
पर अध्यक्ष द्वारा निर्णय की गई तिथियों पर अपनी बैठक करेगी।
उपरोक्त नियंत्रण आदेश की तिथि से यह समिति विघटित समझी
जावगी।

अधेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति निम्नलिखित को भेजी
जाये :—

1. मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ
2. सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, सहकारिता (ख) विभाग,
लखनऊ।
3. आयुक्त, मेरठ प्रभाग, मेरठ।
4. उप सचिव, (पशु पालन) कृषि और सिचाई मंत्रालय (कृषि
विभाग), कृषि भवन, नई दिल्ली।
5. अध्यक्ष, दिल्ली दुग्ध योजना, नई दिल्ली।
6. पशु पालन निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
7. निदेशक, दुग्ध शाला विकास सहकारी समितियां, उत्तर प्रदेश,
लखनऊ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी
के लिये यह संकल्प भारत सरकार के गंजपत्र में प्रकाशित किया
जाये।

आई० जे० नायडू, अबर सचिव

थ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली 110001, दिनांक 7 मई 1975

सं० बी० 28011/2/72-सी०एल०टी०—इस मंत्रालय
की इसी सदस्या की अधिसूचना, तारीख 2 सितम्बर, 1974 में
वर्तमान प्रविष्टि, अर्थात् श्री जी० के० देवराजुलु, प्रधान, अधिक्षित
भारतीय नियोजक संगठन, लक्ष्मी मिल्स कम्पनी लिमिटेड, पाप्पाना-
इकेमपालायम, कोयम्बतूर-18 (राष्ट्रीय थ्रम संस्थान की रवना
करने वाले व्यक्तियों की सूची में अमाक 11 पर) के स्थान पर
निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायगी :—

श्री कान्तिकुमार आर० पोडार

प्रधान,

अखिल भारतीय नियोजक संगठन,

पोडार चेम्बर्स,

एस० ए० ब्रेट्वी रोड,

फोर्ट, बम्बई-400001।

ए० देव, अबर सचिव

STATUTES AND RULES RELATING TO THE PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL AND THE FIRE SERVICES MEDAL
PRESIDENT'S SECRETARIAT
New Delhi, the 19th May 1975

No. 40-Press/75.—The President is pleased to institute the following awards to be conferred on the members of Fire Services organised and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other autonomous bodies and public sector undertakings, in consideration of distinguished or meritorious service or gallantry and outstanding devotion to duty, to be designated “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक”—

President's Fire Services Medal “and” “अग्नि शमन सेवा पदक”—Fire Services Medal respectively and to make, ordain and establish the following statutes governing them which shall be deemed to have effect from the 19th May, 1975.

राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक

PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL

Firstly—The award shall be in the form of a medal styled and designated as “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक”—“PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL” (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly—The medal shall be circular in shape, made of silver with gold gilt, thirty five millimeters in diameter and fitted to a ring and shall have embossed on the obverse the State Emblem with its motto “सत्यमेव जयते” in the centre and words “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक”—

“President's Fire Services Medal” on either side along the edge of the medal separated by two five-pointed heraldic stars. On the reverse, it shall have embossed the Ashoka Chakra in the centre and words “वीरता के लिये”—

“FOR GALLANTRY” or विशिष्ट सेवा के लिये—

“FOR DISTINGUISHED SERVICE” along the lower edge and a wreath joined by a plain clasp at the top along the upper edge. On the rim the name of the person to whom the medal is awarded, shall be inscribed. A sealed pattern of the medal shall be deposited and kept.

Thirdly—The medal shall be worn suspended from the left breast and the riband of thirty two millimeters in width shall, in the case of distinguished service, be half maroon and half golden yellow. In the case for awards for acts of exceptional courage and gallantry, it will be half maroon and half golden yellow, the two colours being separated by a vertical navy blue line 3 mm in width.

Fourthly—The medal shall only be awarded to those who have either performed acts of exceptional courage and skill or exhibited conspicuous devotion to duty as members of Fire Services organised and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal or other autonomous bodies, and public sector undertakings.

Fifthly—The names of those to whom this medal is awarded shall be published in the Gazette of India and a Register of such names shall be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Sixthly—Any act of gallantry which is worthy of recognition by the award of the “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक”—“PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL”, but is performed by one upon whom the Decoration has already been conferred, may be recorded by a Bar attached to the riband by which the medal is suspended. For every such additional act an additional Bar may be added and for each Bar awarded a small silver rose with gold gilt shall be added to the riband when worn alone.

Seventhly—It shall be competent for the President to cancel and annul the award of the Decoration and thereupon the name of the person concerned shall be erased from the Register. It shall, however, be competent for the President to restore any medal which may have been so forfeited. Every person to whom the said Decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Eighthly—It shall be competent for the President to make rules to carry out the purposes of these statutes.

अग्नि शमन सेवा पदक

FIRE SERVICES MEDAL

Firstly—The award shall be in the form of a medal styled and designated as the “अग्नि शमन सेवा पदक”—“FIRE SERVICES MEDAL” (hereinafter referred to as the Medal).

Secondly—The medal shall be circular in shape, made of bronze, thirty five millimeters in diameter and fitted to a ring and shall have embossed on the obverse the State Emblem with its motto “सत्यमेव जयते” in the centre and

the words “अग्नि शमन सेवा पदक”—“FIRE SERVICES MEDAL” on either side of the State Emblem along the edge of the medal separated by two five pointed heraldic stars. On the reverse, it shall have embossed the words “सराहनीय सेवा के लिये”—“FOR MERITORIOUS SERVICE”

“or” “वीरता के लिये”—“FOR GALLANTRY” exactly at the centre enclosed between parallel straight lines connected at either end to each other by a concave line, the whole being encircled by a wreath joined by a plain clasp at the bottom. On the rim the name of the person to whom the medal is awarded shall be inscribed. A sealed pattern of the medal should be deposited and kept.

Thirdly—The medal shall be worn suspended from the left breast, and the riband of thirty two millimeters in width, shall be of maroon colour with a narrow golden yellow stripe on either side and a navy blue stripe in the centre, and in the case of awards for acts of gallantry, each of the maroon portions of the riband shall contain a navy blue line down the middle.

Fourthly—The medal shall only be awarded to those members of Fire Services, organised and administered by the Central Ministries or Departments, State Governments, Union Territory Administrations, Municipal and other autonomous bodies, and public sector undertakings, who have performed service of conspicuous merit or an act of gallantry.

Fifthly—The names of those to whom this medal is awarded shall be published in the Gazette of India and a Register of such names shall be kept in the Ministry of Home Affairs by such person as the President may direct.

Sixthly—Any meritorious conduct or act of gallantry which is worthy of recognition by the award of the “अग्नि शमन सेवा पदक”—“FIRE SERVICES MEDAL”, but is performed by one upon whom the Decoration has already been conferred may be recorded by a Bar attached to the riband by which the medal is suspended. For every such additional act an additional Bar may be added and for each Bar awarded a small silver rose shall be added to the riband when worn alone.

Seventhly—It shall be competent for the President to cancel and annul the award of the decoration and thereupon the name of the person concerned shall be erased from the Register. It shall, however, be competent for the President to restore any medal which may have been so forfeited. Every person to whom the said Decoration is awarded shall, before receiving the same, enter into an agreement to return the medal if his name is erased as aforesaid. Notice of cancellation or restoration in every case shall be published in the Gazette of India.

Eighthly—It shall be competent for the President to make rules to carry out the purposes of these statutes.

No. 41-Press/75.—In accordance with the Statute “eighthly” of the Statutes relating to the award of the “राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक—President's Fire Services Medal” and the “अग्नि शमन सेवा पदक—Fire Services Medal” and the following rules governing them are notified:—

राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक

PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL

(1) Recommendations for awards for conspicuous gallantry shall be made as soon as possible after the occasion on which the conspicuous gallantry was shown.

(2) All recommendations shall state the name and rank of the person recommended, the name of the FIRE SERVICE of which he is or was a member and details of the Act

of gallantry of service for which the grant of the medal is recommended.

(3) The medal shall be awarded :—

- (i) For conspicuous gallantry in saving life and property, the risk incurred being estimated with due regard to the obligations and duties of the officer concerned.
- (ii) For distinguished record of service, such as organising and maintaining Fire Services under special difficulties and handling serious or wide-spread outbreaks of fires.

(4) The number of medals awarded for distinguished service in any one year shall not exceed 25. There will, however, be no limit on the number of medals to be awarded for gallantry in any one year.

(5) When awarded for gallantry, the medal shall carry a monetary allowance at the rates and subject to the conditions set forth below. The charges thereof shall be borne by the revenues of the Central Ministries/States/Union Territories concerned in respect of recipients belonging to the Central Ministries/States/Union Territories, and by the respective organisations in respect of personnel belonging to their Fire Services.

(a) All the recipients of this gallantry award shall be entitled to the monetary allowance on a uniform rate, irrespective of their ranks. The rates of monetary allowance for the Medal shall be Rupees Sixty per mensem and for the Bar to the Medal it shall be Rupees thirty per mensem;

(b) Where an officer who has already been awarded either the King's Police and Fire Services Medal/President's Police and Fire Services Medal/President's Fire Services Medal, or that Medal and a Bar or Bars thereto for gallantry, is subsequently awarded the President's Fire Services Medal for a further act of gallantry, he shall be a monetary allowance attached to the Bar to the latter Medal in addition to the original allowance and not the full allowance attached to the Medal itself. Where an officer who has already been awarded the Indian Police Medal for gallantry is subsequently awarded the President's Fire Services Medal for a further act of gallantry, he shall be paid, from the date of the act for which the latter Medal in addition to the original allowance;

(c) The allowance shall be granted from the date of the act for which the award is given, and unless it is forfeited for misconduct, shall continue until death;

(d) Where a recipient is in receipt of the allowance at the time of his death, it shall be continued for life or till re-marriage of his widow (the first married wife having the preference). In the case of a posthumous award of the Medal or a Bar, the allowance shall be paid, from the date of the act for which the award is made, to the widow (the first married wife having preference) for her life or till re-marriage.

(6) The Medal is liable to be forfeited if subsequently the holder is guilty of disloyalty, cowardice in action or such conduct as in the opinion of the President brings the Service into disrepute.

(7) Recommendations for the announcement of awards for distinguished service on the 26th January (Republic Day) and the 15th August (Independence Day) should be forwarded so as to reach the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs not later than the 26th October and 15th May respectively each year.

अग्नि शमन सेवा पदक

FIRE SERVICES MEDAL

(1) Recommendations for wards for gallantry shall be made as soon as possible after the occasion on which the gallantry is shown.

(2) Each recommendation shall state the name and rank of the person recommended, the Fire Service of which he is or was a member, and details of the act or service for which grant of the Medal is recommended.

(3) The Medal shall be awarded :—

- (i) For gallantry;
- (ii) For services characterised by resource and devotion to duty including prolonged service of ability and merit.

(4) The number of medals awarded for meritorious service in any one year (excluding Bars) shall not exceed 100. There will be no limit on the medals to be awarded for gallantry in any one year.

(5) (a) When awarded for gallantry, the Medal shall, be subject to the conditions set forth for the President's Fire Services Medal for gallantry, carry a monetary allowance on the uniform rate of Rupees forty per mensem and the Bar Rupees twenty per mensem, irrespective of the rank of the recipient. The charge thereof shall be borne by the revenues of the Central Ministries/States/Union Territories concerned in respect of recipients belonging to the Central Ministries/States/Union Territories, and by the respective organisations in respect of personnel belonging to their Fire Services.

(b) Where an Officer who has already been awarded either the Indian Police Medal/Fire Service Medal, or that medal and a Bar of Bars thereto for gallantry, is subsequently awarded the Fire Services Medal for a further act of gallantry, he shall be paid the monetary allowance attached to the Bar to the latter Medal in addition to the original allowance and not the full allowance attached to the Medal itself. Where an officer who has already been awarded the King's Police and Fire Services Medal/President's Police and Fire Services Medal/President's Fire Services Medal for gallantry, is subsequently awarded the Fire Services Medal for a further act of gallantry, he shall be paid the full allowance attached to the letter Medal in addition to the original allowance.

(6) The award of the medal will not be a bar to the subsequent award of the राष्ट्रपति का अग्नि शमन सेवा पदक PRESIDENT'S FIRE SERVICES MEDAL.

(7) The medal is liable to be forfeited if subsequently the holder is found guilty of disloyalty, cowardice in action or such conduct as in the opinion of the President brings the service into disrepute.

(8) Recommendations for awards for meritorious service on the 26th January (Republic Day) and the 15th August (Independence Day) should be forwarded so as to reach the Secretary to the Government of India, Ministry of Home Affairs not later than the 26th October and 15th May respectively each year.

No. 42-Pres./75.—The President is pleased to direct that the following amendments shall be made in the Preamble and the Statutes governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and the Police Medal published in Part I, Section I of the Gazette of India of the 10th March, 1951, under Notification No. 3-Pres./51, dated the 1st March, 1951 as amended from time to time—

(1) The name of the "President's Police and Fire Services Medal" wherever occurring in the Preamble and the Statutes will be read as "President's Police Medal".

President's Police Medal

(2) The words "and organised Fire Services" occurring in Statute Thirdly be deleted.

Police Medal

(3) The words "or of an organised Fire Service" occurring in Statute Thirdly be deleted.

No. 43-Pres./75.—The President is pleased to direct that the following amendments shall be made in the rules governing the award of the President's Police and Fire Services Medal and the Police Medal published in Part I, Section 1 of the Gazette of India of 10th March 1951 under Notification No. 4-Pres./51, dated the 1st March 1951, as amended from time to time :—

(1) The name of the "President's Police & Fire Services Medal" wherever occurring in the Preamble and the Rules will be read as "President's Police Medal."

President's Police Medal

(2) The words "or the Fire Service" occurring in Rule (2) and Rule (4) sub-rule (iii) be deleted.

(3) In schedule appended below sub-rule (e) of Rule 5, the words "District Fire Officer" and "Fire Station Officer I, Fire Station Officer II, Head Leading Fireman, leading Fireman and Selection Grade Fireman and Fireman" be deleted.

Police Medal

(4) The words "or the Fire Service" occurring in Rule (2) may be deleted.

The 22nd May 1975

No. 44-Pres./75. *Corrigendum*.—The following amendments are made to this Secretariat's Notification No. 38-Pres./73, dated the 26th January, 1973, published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated the 16th June, 1973 :—

At Serial No. 5

For "Shri Jogesh Chandra Das"

Read "Shri Jageswar Das".

No. 45-Pres./75.—The President is pleased to confer the "Territorial Army Decoration" for meritorious service on the undermentioned commissioned officers of the Territorial Army :—

Major Surjit Singh (TA-40381), Artillery.

Major Rann Singh (TA-40590), Artillery.

Major Vasudeo Krishnaji Mithare (TA-40618), Infantry.

Major Chandra Vir Singh (TA-40677), Artillery.

Major Ramesh Baburao Bagi (TA-40692), Infantry.

Major Khaja Nizammuddin Hasan (TA-40735), Infantry.

Major Virendra Singh (TA-40748), Artillery.

Capt. Harbans Singh Khokhar (TA-40792), Artillery.

Captain Sudarshan Singh (TA-40842), Infantry.

Major Bhupati Ranjan Chaudhuri [TA(M)-1018], AMC (TA).

K. BALACHANDRAN, Secy. to the President.

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-110001, the 1st May 1975

No. 3/1/ECI/75.—The following Members of the Lok Sabha have been elected to serve on the Committee on Estimates for the term beginning on the 1st May, 1975 :—

1. Shri Nathu Ram Ahirwar
2. Shri Kushok Bakula
3. Shri Ishwar Chaudhry
4. Shri Madhu Dandavate
5. Shri Anadi Charan Das
6. Shri Tulsidas Dasappa
7. Shri Anant Prasad Dhusia
8. Shri Laxman Kakadya Dumada
9. Shri Varkey George
10. Shri Tarun Gogoi
11. Shri Madhuryya Haldar
12. Shri J. G. Kadam
13. Shri M. Kathamuthu
14. Shri Maharaj Singh
15. Shri Yamuna Prasad Mandal

16. Shri Jagannath Mishra
17. Shri Muhammed Khuda Bukhsh
18. Shri Aravinda Bala Pajanor
19. Shri Sudhakar Pandey
20. Shri Dhan Shah Pradhan
21. Ch. Ram Prakash
22. Shrimati B. Radhabai Ananda Rao
23. Shri Bhola Raut
24. Shri M. Ram Gopal Reddy
25. Shri Shiv Kumar Shastri
26. Shri Sant Bux Singh
27. Shri R. K. Sinha
28. Shri R. V. Swaminathan
29. Shri K. P. Unnikrishnan
30. Shri K. Veeriah.

No. 3/1/ECI/75.—The Speaker has been pleased to appoint Shri R. K. Sinha as Chairman of the Committee on Estimates for the term beginning on the 1st May, 1975.

G. D. SHARMA, Chief Financial Committee Officer

(P. U. BRANCH)

New Delhi-110001, the 9th May 1975

No. 1(2)-PU/75.—The following Members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been declared as duly elected to serve as members of the Committee on Public Undertakings for the term commencing May, 1975.

Members of Lok Sabha

1. Shri Dipen Bhattacharya
2. Shri Bhogendra Jha
3. Shrimati Sheila Kaul
4. Shri V. Mayavan
5. Shri Surendra Mohanty
6. Shri Damodar Pandey
7. Shri Paokai Haokip
8. Shri Natwarlal Patel
9. Shri Ram Surat Prasad
10. Shri K. Narayana Rao
11. Shri Vasant Sathe
12. Shri C. K. Jaffer Sharief
13. Shri Nawal Kishore Sharma
14. Shri Atal Bihari Vajpayee
15. Shri Amarnath Vidyalankar

Members of Rajya Sabha

16. Shri Srikanth Profulla Goswami
17. Shri Harsh Deo Malaviya
18. Shri Jagdish Prasad Mathur
19. Shri Bhola Prasad
20. Shri Veerendra Patil
21. Shri Sultan Singh
22. Pandit Bhawani Prasad Tiwary

The Speaker has been pleased to appoint Shri Nawal Kishore Sharma as Chairman of the Committee.

M. A. SOUNDARARAJAN,
Chief Financial Committee Officer

New Delhi-110001, the 19th May 1975

No. 5/1/75/PAC.—The following Members of Lok Sabha and Rajya Sabha have been elected to serve as Member of

the Committee on Public Accounts for the term ending on 30th April, 1976.

Members of Lok Sabha

1. Shri T. Balakrishnan
2. Shri Chandulal Chadrakar
3. Shri Chandrika Prasad
4. Shri Darbara Singh
5. Shri C. C. Gohain
6. Shri Pampan Gowda
7. Shri Raja Kulkarni
8. Shri Shyam Sunder Mohapatra
9. Shri H. N. Mukerjee
10. Shri Priya Ranjan Das Munsi
11. Shri Narendra Singh
12. Shri Noorul Huda
13. Shri Shibban Lal Saksena
14. Shri N. K. Sanghi
15. Shri Somchand Solanki

Members of Rajya Sabha

16. Shri Mohammad Usman Arif
17. Shrimati Partibha Singh
18. Shri V. B. Raju
19. Shri Gulabrao Patil
20. Shri T. K. Srinivasan
21. Dr. K. Mathew Kurian
22. Shri Rabi Ray

2. The Speaker has been pleased to appoint Shri H. N. Mukerjee as the Chairman of the Committee.

N. SUNDER RAJAN
Senior Financial Committee Officer.

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)
Rules

New Delhi, the 31st May 1975

No. 12/4/75.CS-II.—The rules for a competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management, in 1975 for the purpose of filling temporary vacancies in the following Services are published for general information:—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade III.
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade III.
- (iii) AFHQ Stenographers' Service—Grade III.
- (iv) Posts of Stenographer in the Central Vigilance Commission.

A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services mentioned above. He may specify in his application as many of these Services as he may wish to be considered for.

N. B.—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preference for the Services originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Institute of Secretariat Training & Management within three months of the date of the examination.

2. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute. Reservations, will be made for candidates who are Ex-Servicemen and for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Ex-Serviceman means a person who has served in any rank (whether as a combatant or not) in the Armed Forces of the Union for a continuous period of six months and who has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

Explanation—For the purposes of these Rules "Armed Forces of the Union" shall include the Armed Forces of the former Indian States but does not include members of the following Forces, namely:—

- (a) Assam Rifles;
- (b) Lok Sahayak Sena; and
- (c) General Reserve Engineer Force.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman & Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Bangladesh, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates belonging to any one of the following categories:—

- (i) Persons who migrated to India from Pakistan before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been residing in India since then.
- (ii) Persons who migrated to India from Pakistan on or after the nineteenth day of July, 1948 and have got themselves registered as citizens of India under Article 6 of the Constitution of India.
- (iii) Non-citizens in category (f) above who entered service under the Government of India before the commencement of the Constitution viz., 26th January, 1950, and who have continued in such service since then. Any such person who re-entered or may re-enter such service with break after the 26th January, 1950, will, however, require certificate of eligibility in the usual way.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may

also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. A candidate who does not belong to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall not be permitted to compete more than twice at the examination. This restriction shall be effective from the examination held in 1972.

6.(A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1975 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1950 and not later than 1st January, 1957.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/ Clerks/Steno-typists/ Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer) /Clerk/Steno-typist/Hindi Clerk/Hindi Typist on 1st January, 1975 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers, on the basis of earlier examinations, held by the Institute of Secretariat Training & Management of the Union Public Service Commission.

(C) The upper age limit will be relaxable in the case of Ex-Servicemen who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for the vacancies reserved for Ex-Servicemen only.

NOTE—The period of "call up service" of an Ex-Serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 6 (C) above.

(D) The Upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from Bangladesh (formerly East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from Bangladesh (former East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years, if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;

(x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xi) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;

(xii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and

(xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from Service or his services are terminated by his department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

(ii) A Stenographer (including language Stenographer)/ Clerk/Steno-typist/Hindi Clerk/Hindi Typist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. Candidates must have passed one of the following examinations, or must possess one of the following certificates.—

- (i) Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature of India;
- (ii) an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course, for the award of a School Leaving Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services;
- (iii) Cambridge School Certificate Examination (Senior Cambridge);
- (iv) European High School Examination held by the State Government;
- (v) Tenth Class certificate of the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry;
- (vi) Tenth Class Certificate from the Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic;
- (vii) Pass in the examination held by a recognised Higher Secondary School/Multipurpose School in India, at the end of the penultimate year of a Higher Secondary Course/Multipurpose Course (which enables a candidate to get admission to the 3-year degree course);
- (viii) Tenth Class Certificate from a recognised school preparing students for the Indian School Certificate Examination;
- (ix) Junior Examination of the Jamia Millia Islamia, Delhi in the case of bona fide resident students of the Jamia only;

- (x) Bengal (Science) School Certificate;
- (xi) Final School Standard Examination of the National Council of Education, Jadavpur, West Bengal (Since inception);
- (xii) the following French Examinations of Pondicherry: (i) 'Brevet Elementaire' (ii) 'Brevet d'Enseignement Primaire de Langue Indienne' (iii) 'Brevet des Etudes du Premier Cycle' (iv) 'Brevet d'Enseignement Primaire Supérieur de Langue Indienne' and (v) 'Brevet de Langue Indienne (Vernacular)';
- (xiii) Indian Army Special Certificate of Education;
- (xiv) Higher Educational test of the Indian Navy;
- (xv) Advanced Class (Indian Navy) Examination;
- (xvi) Ceylon Senior School Certificate Examination;
- (xvii) Certificate granted by the East Bengal Secondary Education Board, Dacca;
- (xviii) Secondary School Certificates granted by the Board of Secondary Education at Comilla/Rajshahi/Khulna/Jessore in Bangladesh;
- (xix) School Leaving Certificate Examination of the Government of Nepal;
- (xx) Anglo-Vernacular School Leaving Certificate (Burma);
- (xxi) Burma High School Final Examination Certificate with eligibility for university Course;
- (xxii) Anglo-Vernacular High School Examination of the Education Department, Burma (Pre-war);
- (xxiii) Post War School leaving certificate of Burma;
- (xxiv) The "Vinit" examination of the Gujarat Vidyapith, Ahmedabad;
- (xxv) Pass in the 5th Year of 'Lyceum' a Portuguese qualification in Goa, Daman and Diu;
- (xxvi) General Certificate of Education (ordinary level) Examination, Ceylon (Sri Lanka), provided it is passed in at least five subjects;
- (xxvii) General Certificate of Education Examination of the Associated Examination Board, London at Ordinary Level provided it is passed in five subjects including English;
- (xxviii) The Junior/Secondary Technical School Examination conducted by any of the State Boards of Technical Education;
- (xxix) Purva Madhyama (with English) or Old Khand Madhyama (first two years course) and special Examination in additional subjects with English as one of the subjects of the Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi;
- (xxx) Curta de Curso de Formacao de Serralheiro (Certificate in Smithy course) and Carta de Curso de Montador Electricista (Certificate in Electrician course) awarded by the Escola Industrial Commercial de Goa Panaji under the Portuguese set-up prior to Liberation of Goa, Daman and Diu;
- (xxxi) Rashtriya Indian Military College Diploma Examination;
- (xxxii) 'Madhyama' examination conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi;
- (xxxiii) IAF Educational Test for promotion to the rank of Corporal conducted by the Directorate of Education, Air Headquarters, New Delhi;
- (xxxiv) Qualifying Science Examination, conducted by the Delhi University;
- (xxxv) Malaysian Certificate of Education Examination of the University of Cambridge Local Examination Syndicate conducted in Collaboration with the Ministry of Education Malaysia;
- (xxxvi) Higher Secondary (Core Subjects) Examination of Punjab University;
- (xxxvii) Passing out (Indian Navy) Examination conducted by Boys Training Establishment, Vishakhapatnam; and
- (xxxviii) Anglo-Indian High School Examination (Standard xi) conducted by the Inspector of Anglo Indian Schools, Madras.
- (xxxix) Indian Certificate of Secondary Education Examination (Class X Examination) conducted by the Council for the Indian School Certificate Examination, provided it is passed in five subjects which should include Mathematics, Science and at least two languages. The fifth subject could be any of the remaining subjects in Group I (Indian History and Culture, Civics and Geography) or any of the subjects in Group II (Art, Woodwork, or Metal Work with technical Drawing, Elements of Home Science, Elements of Accounts and Shorthand and Typewriting with office practice), and
- (xxxx) National Form IV Examination conducted by the Examination Council of the Government of Tanzania.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of that Government, justifies his admission to the examination.

8. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to Service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

9. A candidate already in Government service whether in a permanent or a temporary capacity must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

10. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of disabled ex-Defence Service personnel a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

11. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

12. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

13. Candidates except Ex-Servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide para 8 (iv) of the Institute's Notice, must pay the fee prescribed in paragraph 8(i) of the Institute's Notice.

In the case of Ex-Servicemen fee concession is admissible to them only if they satisfy other conditions of eligibility as an Ex-Serviceman.

14. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

15. A candidate who is or has been declared by the Institute to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) Procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable.

- (a) to be disqualified by the Institute from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
- (i) by the Institute, from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Institute, in a list in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order, so many candidates as are found by the Institute, to be qualified by the examination shall be recommended for appointment to Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and posts of Stenographers of Central Vigilance Commission, up to the number of unreserved vacancies in the respective Service decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard be recommended by the Institute by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the respective Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Ex-Servicemen who are considered by the Institute to be suitable for appointment on the results of the examination shall be eligible to be appointed against the vacancies reserved for them irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided that Ex-Servicemen belonging to any of the Schedule Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute by a relaxed standard, them out of the quota of vacancies reserved for Ex-Servicemen, subject to the fitness of these candidates for selection to the respective Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various Services at the time of his application (of Col. 13 of the application form).

18. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in their discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

19. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointments to the respective Service.

20. Brief particular relating to the Services to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

T. K. SUBRAMANIAM,
Under Secretary.

APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time Allowed	Maximum Marks
(i) English	3 hours	100
(ii) General Knowledge	3 hours	100

PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST)

300
Marks

NOTE.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) General Knowledge of the Written Test, either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to the complete paper and not to a part thereof.

CANDIDATES WHO OPT TO ANSWER THE AFORESAID PAPER IN HINDI (DEVANAGARI) WILL BE REQUIRED TO TAKE THE SHORTHAND TESTS, ALSO IN HINDI (DEVANAGARI) ONLY : AND CANDIDATES WHO OPT TO ANSWER THE AFORESAID PAPER IN ENGLISH WILL BE REQUIRED TO TAKE THE SHORTHAND TESTS ALSO IN ENGLISH ONLY.

NOTE 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in Col. 8 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand Tests in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall ordinarily be entertained.

NOTE 2.—Candidates who opt to take the Shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography and vice-versa, after their appointment.

NOTE 3.—A CANDIDATE WISHING TO TAKE THE EXAMINATION AT AN INDIAN MISSION ABROAD, AND EXERCISING THE OPTION TO ANSWER PAPER (ii) GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS IN HINDI IN TERMS OF PARA 3 ABOVE, MAY BE REQUIRED TO APPEAR AT HIS OWN EXPENSE, FOR THE STENOGRAPHY TESTS AT ANY INDIAN MISSION ABROAD WHERE NECESSARY ARRANGEMENTS FOR HOLDING SUCH TESTS ARE AVAILABLE.

4. Paper (i) English, of the Written Test, must be answered in English by all candidates.

5. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 100 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf. Part B of the Schedule below).

6. Candidates must write the papers in their own hands. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

7. The Institute have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

8. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Institute in their discretion will be called for shorthand test.

9. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

10. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

PART A

Standard and Syllabus of the Written Test

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

English.—The paper will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammar and Composition, and generally their power to understand and ability to write, correct English. Account will be taken of arrangement, general expression and workmanlike use of the language. The paper may include question on essay writing; precis writing; drafting; correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech, etc.

General Knowledge.—Some knowledge of the constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, general and Economic Geography of India, current events, everyday science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the question and not detailed knowledge of any textbook.

PART B

Scheme of Shorthand Tests

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests, one at 100 words per minute for seven minutes, and another at 80 words per minute for 10 minutes, which the candidates will be required to transcribe in 50 and 65 minutes respectively.

The Shorthand Tests in Hindi will comprise two dictation tests, one at 100 words per minute for seven minutes and another at 80 words per minute for 10 minutes, which the candidates will be required to transcribe in 60 and 75 minutes respectively.

APPENDIX II

Brief particulars relating to Services to which recruitment is being made through this examination.

A. The Central Secretariat Stenographers' Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(2) Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examination as may be prescribed by Government,

(3) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the person concerned in his appointment or, if his work or conduct, in the opinion of Government, has been unsatisfactory, he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons, recruited to Grade III of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade III of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

B. The Railway Board Secretariat Stenographers' Service

(a) (i) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

(ii) Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or conduct in the opinion of the Government of any of them has been unsatisfactory, he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(b) The Railway Board Secretariat Stenographers' Service is confined to the Ministry of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Stenographers' Service.

(c) Officers of the Railway Board's Stenographers' Service recruited under these rules :

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(d) The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be entitled to the privilege of Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

(e) As regards leave and other conditions of Service, staff included in the Railway Board's Secretariat Stenographers' Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with Headquarters at New Delhi.

C. Armed Forces Headquarters Stenographers' Service

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service has, at present, four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

2. Persons recruited to Grade III of the Service will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. Unsatisfactory record of service during probationary period may result in discharge of the probationers from Service or

their period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. Persons recruited to Grade III of the Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where offices of the AFHQ/IS Organisations may be located.

4. Persons recruited to Grade III of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

5. Leave, Medical aid and other conditions of Service are same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations.

D. Central Vigilance Commission

There are the following grades in the Stenographers' Service in the Central Vigilance Commission :—

Senior P.A.—Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

P.A.—Rs. 425—15—550—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Stenographer.—Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560.

2. Persons recruited to the posts of Stenographers will be on probation for a period of two years. During this period, they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. Unsatisfactory record of service during probationary period may result in discharge of the probationers from service or their period of probation may be extended for such further period as the Central Vigilance Commission may think fit.

3. Persons recruited to the posts of Stenographers will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

4. The posts of Stenographers in the Central Vigilance Commission are not included in the C.S.S.S., but they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

New Delhi-1, the 1st May 1975

ORDER

No. 7(11)-75-OL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of Clause (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby authorises the following Officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs, for the purposes of the said Section 209A :—

1. Shri R. N. Bansal, Regional Director, Company Law Board, Madras.
2. Shri Suresh Behari Mathur, Deputy Director (Accounts), Company Law Board, Madras.

2. The Company Law Board hereby revokes the authorisation earlier issued in favour of Shri R. N. Bansal *vide* the Ministry of Industrial Development and Company Affairs Order No. 51/1/65-CL.II, dated the 14th August, 1968.

T. S. SRINIVASAN

Joint Director of Inspection & Ex. Officio
Deputy Secretary to the Company Law Board

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF EXPENDITURE)

New Delhi, the 5th May 1975

RESOLUTION

'No. F.16(1)-E.V.(B)/75.—It is announced for general information that accumulations at the credit of subscribers to the

General Provident Fund and other similar funds upto Rs. 25,000/- (inclusive of deposits and withdrawals) during the year 1975-76 will carry interest at the rate of Rs. 7.50% per annum and the interest rate of 7.00% per annum will apply to sums in excess of Rs. 25,000/-. These rates will be in force during the financial year beginning on 1-4-1975. The funds concerned are :—

1. The General Provident Fund (Central Services)
2. The General Provident Fund (Defence Services)
3. The contributory Provident Fund (India)
4. The All India Services Provident Fund
5. The Indian Ordnance Department Provident Fund
6. Other Miscellaneous Provident Fund (Defence)
7. The Defence Services Officers' Provident Fund
8. The Armed Forces Personnel Provident Fund
9. The Military Engineering Services Provident Fund
10. The Indian Ordnance Factories Workmen's Provident Fund
11. The Contributory Provident Fund (Defence)
12. The Indian Naval Dockyard Workmen's Provident Fund.

2. Necessary instructions will be issued separately by the Ministry of Railways (Railway Board) concerning the rates of interest applicable during the year, in question, to the balances in the various Provident Funds under the control of that Ministry.

ORDER

3. Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 6th May 1975

ADDENDUM

No. 13(68)/74-Engg.Ind.—In the Resolution of even number dated the 4th Sept., 1974 of the erstwhile Ministry of Industrial Development, the following substitutions/additions be made in para 3 thereof :

- (a) At Serial No. 1 Words "Shri N. J. Kamath Additional Secretary, Ministry of Heavy Industry, New Delhi" be substituted by Words "Shri Hari Bhushan Adviser (Tech.) Department of Heavy Industry, New Delhi. Shri Hari Bhushan will now act as Chairman of the Panel, in place of Shri N. J. Kamath."
- (b) At Serial No. 3 Words "Shri Tirlochan Singh, Deputy Secretary, Department of Heavy Industry New Delhi" shall be inserted in place of words "Shri Hari Bhushan Adviser (Tech.) & Joint Secretary, Ministry of Heavy Industry, New Delhi."
- (c) At Serial No. 4, Words "Shri S. Vangala, Industrial Adviser, Department of Steel, Ministry of Steel & Mines, New Delhi" be substituted by the words "Shri S. R. Tata Development Officer, Deptt. of Steel, New Delhi."
- (d) At Serial No. 14, words "Shri Vinod Shah, Managing Director, M/s. Mukand Iron & Steel Ltd. Kurla, Bombay shall be substituted by words "Shri V. N. Lokur, Marketing Manager (Foundries) M/s. Mukand Iron & Steel works Ltd. Kurla, Bombay".

TIRLOCHAN SINGH, Deputy Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 14th May 1975

RESOLUTION

No. 6-1/75-LDI.—Consequent on the promulgation of the Delhi, Meerut and Bulandshahr (Milk and Milk Products) Control Order 1975 the Government of India have decided to

constitute Price Fixation Committee for the duration of the order i.e. from 7-5-75 to 15-7-75 with the following membership :—

Chairman

- (1) Commissioner, Meerut Division, Meerut.

Members

- (2) Chairman, Delhi Milk Scheme, New Delhi
 (3) Deputy Secretary (Animal Husbandry), Ministry of Agriculture & Irrigation, (Department of Agriculture), New Delhi.
 (4) Director of Animal Husbandry, U.P., Lucknow.

Member-Secretary

- (5) Director, Dairy Development Cooperative Societies, Uttar Pradesh.

2. The Price Fixation Committee shall determine the price of the milk to be paid by the Delhi Milk Scheme to the Milk Producers of the district of Meerut and Bulandshahr during the operation of the control Order mentioned above. In determining the price, the Committee will try to ensure that the milk producers will be paid a fair price for milk and that the price will not be affected by the artificial conditions resulting from the promulgation of the Order referred to above.

3. The decision of the Committee as regards the price payable to the producers shall be binding on the Delhi Milk Scheme.

4. The headquarters of the Committee will be at Meerut. The Committee may meet periodically on such dates as may be decided by the Chairman. The Committee will stand dissolved on the date of the expiry of the Control Order mentioned above.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

- (1) Chief Secretary, Government of U.P., Lucknow.
- (2) Secretary to the Govt. of U.P., Cooperative (B) Department, Lucknow (Uttar Pradesh).
- (3) Commissioner, Meerut Division, Meerut.
- (4) Deputy Secretary (Animal Husbandry), Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), Krishi Bhavan, New Delhi.
- (5) Chairman, Delhi Milk Scheme, New Delhi.
- (6) Director of Animal Husbandry, U.P., Lucknow.
- (7) Director, Dairy Development Cooperative Societies, Uttar Pradesh, Lucknow.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

I. J. NAIDU, Additional Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi-110001, the 7th May 1975

No. V.28011/2/72-CLT.—In this Ministry's Notification of even number dated 2nd September, 1974 for the existing entry namely Shri G. K. Devarajulu, President, All India Organisation of Employers, Lakshmi Mills Company Limited, Pappanai-ckempalayam, Coimbatore-18 (at Sr. No. 11 of the list of persons comprising the National Labour Institute) the following shall be substituted :—

Shri Kantikumar R. Podar,
 President,
 All India Organisation of Employers,
 Podar Chambers,
 S.A. Breli Road,
 Fort, Bombay-400001.

A. DEB, Under Secy.

